दैनिक

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

क्यूँ न लिखूँ सच

बर्षः- 04
अंकः-89
मुरादाबाद
19 July 2024
(Friday)
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

ट्रंप पर हमले का जिक्र कर भाजपा ने उठाया पीएम मोदी पर आक्रामक टिप्पणियों का मुद्दा, विपक्ष पर साधा निशाना

रविशंकर ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कई बार राहुल गांधी भी गैर जिम्मेदाराना बयान दे देते हैं। लोकतंत्र में आपको असहमति का अधिकार है, लेकिन इतनी मर्यादा होनी चाहिए कि हिंसा में किसी राजनेता को निशाना न बनाया जाए। अमेरिका में पिछले हफ्ते चुनाव प्रचार के दौरान पूर्व राष्ट्रपति और राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर हमला किया गया। इस हमले में वह बाल-बाल बच गए। ट्रंप पर किए गए हत्या के प्रयास की भारत में भी निंदा की गई। ट्रंप पर हुए इस हमले के बाद भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर किए गए आक्रमक टिप्पियों का मुद्दा उठाया। भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि लोकतंत्र में ऐसा नहीं होना चाहिए। यहां असहमति का अधिकार है, लेकिन ऐसी असहमति, जिससे हिंसा हो यह सही नहीं है। इसी के साथ विपक्ष पर भी निशाना साधा गया। भाजपा नेता ने यूपी के पूर्व डीजीपी के लेख पर प्रतिक्रिया- रविशंकर प्रसाद ने डोनाल्ड ट्रंप पर हुए इस हमले की निंदा की। उन्होंने कहा, 卐अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हत्या का प्रयास किया गया। भगवान की कृपा से वह सुरक्षित हैं और अपराधी के खिलाफ कार्रवाई की गई। लोकतंत्र में ऐसा नहीं होना चाहिए। यहां असहमति का अधिकार है, लेकिन ऐसी असहमति जिससे हिंसा हो और राजनेताओं को निशाना बनाया जाए, यह सही नहीं।卐भाजपा नेता ने आगे कहा, उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी विक्रम सिंह ने एक अखबार में लेख लिखा, जिसमें उन्होंने बताया कि जिस तरह से भारत के पीएम मोदी पर निशाना साधा गया है, उससे उन पर हिंसा बढ़ सकती है। रविशंकर ने कहा, इसका सबूत भी है। 2013 में पटना में उनपर हमला हुआ था, जिसमें छह लोगों की मौत हुई थी। जब वह पंजाब गए, तब उनका रास्ता बदल दिया गया। इस दौरान रविशंकर ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कई बार राहुल गांधी भी गैर जिम्मेदाराना बयान दे देते हैं। लोकतंत्र में आपको असहमति का अधिकार है, लेकिन इतनी मर्यादा होनी चाहिए कि हिंसा में किसी राजनेता को निशाना न बनाया जाए। सुधांशु त्रिवेदी ने विपक्ष को घेरा -यूपी के पूर्व डीजीपी के लेख पर भाजपा सांसद एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 卐आज देश के एक अंग्रेजी अखबार में एक सेवानिवृत्त वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी ने लेख लिखा है। लेख में उन्होंने सुरक्षा से जुड़ी वर्तमान वैश्विक गतिविधियों और उनके भारत पर पड़ने वाले प्रभाव की ओर ध्यान आकर्षित किया है। आप जानते हैं कि एक-डेढ़ साल पहले जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की एक राजनीतिक कार्यक्रम में हत्या कर दी गई थी। कुछ दिन पहले अमेरिका के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर हत्या का प्रयास किया गया था, जिसमें वह बाल-बाल बचे थे। सुधांशु त्रिवेदी ने आगे कहा, 卐उन्होंने (विक्रम सिंह) कहा कि हिंसा और हत्या को भड़काने वाली ऐसी प्रवृत्तियां ऐसे बयानों से प्रेरित होती हैं, जिसमें राजनीतिक दल अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए %हिंसा% और %हत्या% जैसे शब्दों का इस्तेमाल करना चाहते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण और चिंता का विषय है कि हिंसा के लिए उकसाने वाले ऐसे शब्द और भाषा का इस्तेमाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए किया जा रहा है। कांग्रेस नेता और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कई बार पीएम मोदी के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया।

अगर आप लोकसभा में विपक्ष के नेता बन गए हैं, तो थोड़ी परिपक्वता दिखाएं। इसलिए, मैं सभी राजनीतिक दलों से आग्रह करना चाहूंगा कि %हिंसा%, %हत्या%, %किसी के प्रति आक्रमण%, %मारना-पीटना% और %कब्र खुदेगी% जैसे शब्दों का इस्तेमाल बंद होना चाहिए। अश्विनी वैष्णव ने भी साधा निशाना- इस मामले में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी विपक्ष को घेरा। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में शब्दों का चयन बहुत महत्वपूर्ण है। पीएम मोदी के लिए विपक्ष की तरफ से जित तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है, वह चिंताजनक है। हिंसा और हत्या जैसे शब्द सीधा परिणाम देते हैं। यह समाज में चिंता उत्पन्न करते हैं। विपक्ष को इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। उन्हें अपनी राजनीतिक गरिमा बरकरार रखनी चाहिए।

कुपवाड़ा में मुठभेड़, सुरक्षाबलों ने दो आतंकी किए ढेर, डोडा में भी ऑपरेशन जारी

उत्तरी कश्मीर के जिला कुपवाड़ा के सीमांत क्षेत्र केरन में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच गोलीबारी शुरू हो गई है। सुरक्षाबलों ने आतंकियों को घेर लिया है। फायरिंग हो रही है। जम्मू संभाग के जिला डोडा के बाद कश्मीर के उत्तरी इलाके के जिला कुपवाड़ा के केरन सेक्टर में मुठभेड़ शुरू

हो गई है। गुरुवार को सीमांत क्षेत्र केरन में भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच गोलीबारी हुई। मौके पर सेना की 6 आरआर और पुलिस के एसओजी के जवानों ने मोर्चा संभाला हुआ है। यहां, जवानों ने दो आतंकवादी मार गिराए हैं।जम्मू कश्मीर में गुरुवार को मौसम बिगड़ा हुआ है। कई इलाकों में बारिश हुई है। बादल छाए हुए हैं। इससे पहाड़ी इलाके धुंध से घिर जाते हैं। इसी बीच सुरक्षाबल आतंकियों से लोहा ले रहे हैं। उधर, डोडा में भी मुठभेड़ चल रही है। बिगड़े मौसम के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी हो रही है। डोडा में सोमवार से आतंकियों की तलाश के लिए अभियान चल रहा है। डोडा में चार दिनों में ये तीसरी मुठभेड़ है, लेकिन अभी सुरक्षाबलों को सफलता नहीं मिल पाई है। घने जंगल, ऊंचे पहाड़ और बिगड़ा हुआ मौसम सुरक्षाबलों के लिए चुनौती बना हुआ है, लेकिन जवान डटे हुए हैं। एक अधिकारी ने कहा कि जल्द ही आतंकियों का सफाया किया जाएगा। रामबन-डोडा रेंज के डीआइजी श्रीधर पाटिल ने कहा कि ऑपरेशन अभी चल रहा है। जल्द इसे पूरा कर लिया जाएगा।देर रात करीब दो बजे डोडा के कास्तीगढ़ इलाके में हुई मुठभेड़ में दो जवान घायल हुए हैं। उन्हें राजकीय अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद कमान अस्पताल भर्ती कराया गया है। यहां उनका उपचार चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि इलाके में सर्च ऑपरेशन चल रहा है। इसी बीच रात में सेना ने संदिग्ध गतिविधियां देखी। तुरंत तलाशी के दौरान आतंकवादियों से संपर्क स्थापित हुआ, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। उन्होंने बताया कि शुरुआती गोलीबारी के दौरान सेना के दो जवान घायल हो गए।

संक्षिप्त समाचार

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में हुई सर्जरी, गंभीर बीमारी के मरीजों के लिए नई उम्मीद

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में सर्जरी विभाग के प्रमुख डॉ. योगेश ने बताया कि प्रत्यक्ष शल्य चिकित्सा कार्यशालाओं के दौरान भगंदर (फिस्टुला-इन-एनो), अर्श (बवासीर), पिलोनिडल साइनस, पित्ताशय की पथरी, हार्निया के रोगियों पर वीएएएफटी, लेप्रोस्कोपी तथा लेजर जैसी नई तकनीकों समेत पारंपरिक शल्य विधियों का उपयोग करके ऑपरेशन किए गए।अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में बीते सप्ताह दो दिनों के भीतर 25 मरीजों की सर्जरी की गई। इन मरीजों को अलग-अलग तरह की बीमारियां थीं। जिनका आयुर्वेदिक प्रक्रिया के माध्यम से शल्य क्रिया कर उपचार किया गया। इस दौरान अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान की निदेशक प्रोफेसर तनुजा नेसारी ने कहा कि आयुर्वेद के माध्यम से गंभीर से गंभीर बीमारियों का बेहतर इलाज संभव है। संस्थान में द्वितीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सौश्रुतम् शल्य संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया। जिसमें देश के अलग-अलग हिस्सों से चिकित्सकों ने शिरकत की। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे एम्स भोपाल के संस्थापक निदेशक प्रोफेसर संदीप कुमार ने कहा कि आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति से गंभीर बीमारियों को भी दूर किया जा सकता है। ' आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति से शल्य क्रिया की जा रही है, वह अपने में एक बेहतरीन पद्धति को आगे बढ़ा रही है। कार्यक्रम में मौजूद देश के नामी शिक्षकों सर्जनों ने इस कार्यक्रम में शिरकत करते हुए

चंडीगढ़ एक्सप्रेस के 14 डिब्बे पटरी से उतरे, तीन यात्रियों की मौत, 14 जख्मी

गोंडा जिले के गोंडा-मनकापुर रेलखंड के बीच चंडीगढ़ एक्सप्रेस के 14 डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसा मोतीगंज थाना क्षेत्र के पिकौरा गांव के पास हुआ।गोंडा जिले के गोंडा- मनकापुर रेलखंड के बीच चंडीगढ़ एक्सप्रेस के 14 डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसे में तीन लोगों की मौत की खबर है जबकि 14 लोग जख्मी हो गए हैं। 15904 - चंडीगढ़ एक्सप्रेस चंडीगढ़ से गोरखपुर जा रही थी। हादसा मोतीगंज

थाना क्षेत्र के पिकौरा गांव के पास हुआ। पौने तीन बजे दो डिब्बे बेपटरी हुए, उसके बाद 12 और डिब्बे पलट गए।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लिया है। उन्होंने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंच कर राहत कार्य में तेजी लाने व घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। हेल्पलाइन नंबर जारी पूर्वोत्तर रेलवे के बाराबंकी-गोरखपुर रेल खण्ड पर मोतीगंज-झिलाही स्टेशनों के मध्य डाउन लाइन पर 15904 चण्डीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के हादसे के फलस्वरूप रेल यात्रियों की सहायता हेतु हेल्पलाइन नम्बर जारी किया है। लखनऊ - 8957409292 गोंडा- 8957400965

बदले की आग : मोहर्रम पर बवाल के दूसरे दिन फिर हिंसा, समुदाय विशेष के घर पर ग्रामीणों ने बोला धावा, बाइक फूंकी

घर में तोड़फोड़ करने के बाद दरवाजे पर खड़ी एक बाइक में आग लगा दी गई। घटना की जानकारी होते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। भारी फोर्स के साथ अधिकारी गांव में पहुंच गए हैं। फिलहाल गांव में पीएसी को तैनात कर दिया गया है।लालापुर थाना क्षेत्र के अमिलिया तरहार गांव में बुधवार को मोहर्रम पर ताजिया के रास्ते को लेकर हुआ बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। जुलूस में शामिल शरारती तत्वों के द्वारा अधिवक्ता के घर में घुसकर मारपीट और लूटपाट करने के दूसरे दिन

बदला लेने की नीयत से ग्रामीणों ने एक समुदाय विशेष के घर पर धावा बोल दिया। घर में तोड़फोड़ करने के बाद दरवाजे पर खड़ी एक बाइक में आग लगा दी गई। घटना की जानकारी होते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। भारी फोर्स लेकर अधिकारी गांव में पहुंच गए हैं। फिलहाल गांव में पीएसी को तैनात कर दिया गया है। एसीपी बारा संतलाल सरोज, थानाध्यक्ष लालापुर अजय मिश्र मौके पर दल बल के साथ मौजूद हैं। यह था पूरा मामला- लालापुर थाना क्षेत्र के अमिलिया तरहार गांव में बुधवार शाम ताजिया ले जाते समय हुए दो पक्षों में हुए विवाद के बाद जमकर बवाल हो गया था। जुलूस में शामिल कुछ शरारती तत्वों ने घर में घुसकर अधिवक्ता

की पुत्री व पुत्र समेत अधेड़ पर लाठी-डंडों, तलवार, कटवासा व अवैध असलहों से हमला बोल दिया। बीच बचाव पर दरोगा को पीट दिया। घटना में अवधेश का सिर फटा है जबकि उनके बेटे-बेटी को भी चोटें आईं। आरोप है कि दीवार पर खड़े होने व पीपल के पेड़ को काटने के विरोध पर घटना की गई। छह नामजद व 10-12 अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। अमिलिया तरहार गांव के इमामबाड़े से बुधवार को ताजियादार ताजिया लेकर गांव में निकल रहे थे। जुलूस गांव के अवधेश द्विवेदी के घर के पास पहुंचा तो भीड़ में शामिल कुछ शरारती तत्व उनकी दीवार पर चढ़ गए। आरोप है कि उपद्रवियों ने चहारदीवारी तोड़ने की कोशिश की और बिजली सप्लाई का तार भी तोड़ दिया। अवधेश के बेटे शिवम ने विरोध किया तो उस पर हमला बोल दिया। जुलूस के साथ चल रहे एसआई बलिराम और सिपाहियों ने बीचबचाव किया तो उनसे भी अभद्रता और हाथापाई शुरू कर दी।शोरगुल सुनकर अवधेश घर के बाहर निकलकर बेटे को बचाने पहुंचे तो उनके साथ भी मारपीट शुरू कर दी। पिता-पुत्र भागे तो हमलावर पीछे-पीछे घर में घुस आए और पंखे की रॉड उठाकर हमला कर दिया। अधिवक्ता की पुत्री अनुज्ञा पिता व भाई आयुष व अनुज को बचाने लगी तो उससे भी मारपीट व बदसलूकी की। हंगामा होता देख आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर बीचबचाव किया तो उन्हें भी पीटा गया। जानकारी पर गांव के लोग जुट गए तो हमलावर भाग निकले। सूचना पर बड़ी संख्या में वहां लोग जुट गए। डीसीपी यमुनानगर श्रद्धा नरेंद्र पांडेय, एसडीएम जगजीत कौर, एसीपी बारा संत लाल सरोज भी आसपास के थानों की फोर्स लेकर आ गए और पीड़ित परिवार से पूछताछ की। तनाव को देखते हुए पीएसी भी तैनात कर दी गई है। तीन लाख के गहने लूटने का भी आरोप- अवधेश की ओर से दी गई तहरीर में हमले के साथ-साथ तीन लाख के गहने लूटने का भी आरोप लगाया गया है। बताया कि दोपहर 3-30 बजे गांव के मोनू अंसारी, अन्ना, इमरान, अजमेरी का लड़का, मिराज, सरताज समेत छह लोग व 10-12 अज्ञात लाठी-डंडा, कटवासा व अवैध असलहे लेकर ताजिया जुलूस निकाल रहे थे। आरोप लगाया कि घर के पास लगे पीपल के पेड़ को काटने लगे। मना करने पर गालीगलौज करते हुए दीवार फांदते हुए घर में कूद गए और उन्हें, उनकी बेटी व दो बेटों को मारने लगे। तलवार व कट्टे की बट से वार किया जिससे सभी लहूलुहान हो गए। साथ ही कमरे में बैग में रखे तीन लाख के गहने लूट ले गए। जाते-जाते धमकी भी दी।

संपादकीय Editorial

New Kashmir of terrorism

Now it is the turn of Doda district. Rajouri-Poonch, Kathua and Doda are all parts of Jammu division. Three terrorist attacks have taken place in the last three weeks. Four soldiers including a captain have been 'martyred' in the Doda terrorist encounter. Earlier, an attack similar to 'Pulwama ka Saransh' was carried out in Kathua, in which 5 soldiers were martyred. In the last two years, 10 officers including 1 colonel, 3 captains, 5 majors have had to sacrifice their lives. However, from 2005 to 2021, Jammu division remained absolutely peaceful. This is the belief and claim of the people from the army chief to the ruling party, but now Jammu is becoming the 'new Kashmir of terrorism'. Former Lieutenant General and General in charge of the Northern Command Deependra Singh Hooda believes that in this area of ????Jammu division, there are less plains and more dense forests. In Doda, where the terrorist attack took place, there is a 200 square km forest on one side of the mountain, whereas our search operation was going on in only 50 square km. There are fewer forests and more snowy mountains in Kashmir, so terrorists can be monitored from a distance. We should make a new, aggressive strategy for Jammu. There are so many security forces in the Kashmir valley even today that terrorists can be killed within an hour or two of committing a terrorist act. There are relatively fewer security forces in Jammu. The terrorists take advantage of this and escape. The forests are so dense that the terrorists cannot be traced using helicopters or drones. Anyway, if the strategy has to be changed, then by when will it be changed? Or will we keep counting the martyrdom figures? Of course, our security forces have killed 87 terrorists in 2023 and 21 terrorists till July 3, 2024, but what difference does it make? Terrorists cross the border to die or enter our Jammu and Kashmir for jihad. Can the Indian soldiers who are 'martyred' in encounters with them or in terrorist attacks be evaluated? Can they be compensated? On an average, a soldier is trained after a long, tiring training and by spending lakhs of rupees. After all, how long will this series of martyrdom continue? Can't our military operations be conducted with the intention of destroying terrorists and terrorist groups like 'Kashmir Tigers'? The Kathua attack was also carried out by this terrorist group. It is a fake name of the UN-banned terrorist organization 'Jaish-e-Muhammad' in Jammu and Kashmir. The terrorists of 'Kashmir Tigers' are recruited in Pakistan, get trained there and it is the 'bankrupt' Pakistan that gives them money. The question is why can't such an organization be defeated on the soil of Jammu and Kashmir itself? Why can't the 'local Jaichand' who are helping these terrorists also be killed? Has the Indian government tied the hands of the soldiers? Since 2021, 52 army and police personnel have lost their lives in terrorist attacks. We can be satisfied that 54 terrorists have also been killed. What can we say about the fact that more than 70 civilians have also been killed. Most of the Kashmir valley touches the Line of Control with Pakistan, but Doda is not even close to the Line of Control, then how did the terrorists infiltrate there? Assembly elections are to be held in Jammu and Kashmir very soon. Kashmiris will be able to elect their government and representatives. The democratic process will be restored. In view of that, terrorism has increased. It can be crushed. The statement given by former Chief Minister Mehbooba Mufti and the demand for dismissal of DGP RR Swain is her frustration, because she has been pro-Pak. After all, what did Swain do or say? Her questions are natural. Such politics will not benefit Jammu and Kashmir.

Foreign trade: Time for new efforts to increase exports, will BIMSTEC's efforts bear fruit

The new coalition government is moving ahead on mission mode with the goal of increasing exports and reducing trade deficit. The new coalition government is moving ahead on mission mode with the goal of increasing exports from India and reducing trade deficit amid the challenges of global trade. Recently, India tried to breathe new life into BIMSTEC (organization of countries located around the Bay of Bengal) in New Delhi. External Affairs Minister S. Jaishankar said that for India, the initiative to increase bilateral trade and mutual cooperation with BIMSTEC countries Bangladesh, Bhutan, Nepal, Sri Lanka, Myanmar and Thailand is a part of Neighborhood First and Act East and Sagar policy. Similarly, India has started a new exercise to increase business through bilateral talks with friendly countries including Russia and various developed countries. In this context, Prime Minister Narendra Modi has brought forward new possibilities of foreign trade through bilateral talks during his visit to Russia and Austria. The joint statement issued after the talks between Prime Minister Modi and Russian President Vladimir Putin said that India and Russia have set a target to increase bilateral trade to $ 100 billion by 2030, bring balance in trade, remove non-tariff trade barriers and explore the possibilities of Eurasian Economic Union (EAEU)-India Free Trade Area. Both the countries have talked about setting up a bilateral settlement system using national currency and planning to bring digital financial instruments in the mutual settlement process. During bilateral talks with Austrian Chancellor Nehammer, Prime Minister Modi said that strategic direction will be given to the relations to strengthen mutual cooperation between the two countries. Work will be done to add each other's strengths in areas like infrastructure development, innovation, renewable energy, hydrogen, water and waste management, artificial intelligence and quantum. It is worth noting that in 2023, bilateral trade between the two countries was around Rs 2.93 billion. For Austria, India is one of its most important trading partners outside the European Union. Under the Neighbourhood First policy, heads of state and government of neighbouring countries were invited to the swearing-in ceremony of the new government. Recently, after bilateral talks between Bangladesh Prime Minister Sheikh Hasina, 10 important agreements have been signed, including water management of Teesta river, maritime economy and digital sector. Similarly, in view of strengthening bilateral relations with Sri Lanka, External Affairs Minister S Jaishankar held talks with the top leadership of Sri Lanka in Colombo and inaugurated the Maritime Rescue Coordination Centre built with a grant of US$ 6 million from India. Sri Lankan President Ranil Wickremesinghe said that in the year 2022, when Sri Lanka was facing the biggest economic crisis, India helped us overcome the economic crisis by providing assistance of $3.5 billion. It is also important that the importance of India, a special invited country, was seen in the recent G-7 summit. The most concrete benefit for India arose from the commitment of the G-7, which said that the India-West Asia-Europe Economic Corridor (IMEC) would be promoted. The construction of this corridor was announced during the G20 summit in India last year. The government will have to adopt a new strategy for exports to ASEAN countries. Along with this, India will have to move forward towards finalising FTAs ??with Oman, Britain, Canada, South Africa, America, Israel, Gulf Countries Council and European Union. Work will also have to be done to increase exports to those countries, for which India played an important role in getting permanent membership of the 55-nation African organisation of G20 last year. It is hoped that the bilateral talks held recently with Russia, Austria, Bangladesh, Sri Lanka and various countries will prove to be beneficial. In such a situation, India will definitely be seen moving fast towards achieving the export target of two trillion dollars of goods and services by the year 2030 with strategic efforts to increase foreign trade.

Message of politics: Why did Trump choose Vance, the choice of succession gives many indications

Trump, who has been influencing global politics for the last decade, has recovered from the recent attack and chosen his successor. The 39-year-old, dynamic JD Vance is so full of discipleship that he considers Trump's enemy as his enemy. Vance's nomination shows that Trumpism will continue. Donald Trump has chosen Ohio Senator JD Vance as his vice-presidential candidate. Earlier, vice-presidential candidates were selected to strengthen the party's unity, to bring to their side the province where the party's position was shaky, and to help the president outside Washington in running the government. Vance does not meet these criteria. When Trump made Vance his vice-presidential candidate, he probably did not have 2024 in mind, but he was thinking about 2028 and beyond. The last time Trump chose his running mate, he was more worried. He was then viewed with suspicion by many Republicans, especially social and religious conservatives. Trump then chose Mike Pence to assuage their fears, as Pence had close ties to Christian voters. The idea was that he could help Trump deal with insiders and power brokers. The Trump-Pence duo lasted until January 6, 2021. Now, having narrowly escaped an attacker's bullet and being constitutionally limited to one more term, Trump naturally values ??loyalty and legacy. Vance is passionate about Trump and Trumpism and is unlikely to allow the vice president's residence to become a haven for pro-immigration and interventionist Republicans. He has been following Trump's conduct since the 2020 election, and considers Trump's enemies his enemies. Trump may have also liked Vance's biography. Vance, who grew up in poverty, joined the Marines after the 9/11 terror attacks, wrote a bestselling autobiography and succeeded in business. His working-class roots could attract the forgotten people of the industrial Rust Belt who are at the heart of Trump's campaign. Another important factor that goes in Vance's favor is his age. Republicans are doing relatively better among young male voters this year and Vance could help the party take advantage of this growing advantage. Richard Nixon was 39 when Dwight Eisenhower chose him as his vice presidential candidate in 1952. Nixon remained at the center of American politics for 22 years. Vance, who recently joined the 'Make America Great Again' (MAGA) movement, criticized the foreign and economic policies of supporters of former US Ambassador Nikki Haley in the Republican premiere this year. Vance is a newcomer to Washington. He will turn 40 in August and will be one of the youngest vice presidents in US history. He has only served two years in the Senate, so he will be the least experienced vice president ever. Trump will be his experienced mentor and Vance will be his apprentice. Trump is not usually seen as a patient mentor or a long-term planner. But his recent conviction and assassination attempt have raised the stakes in this election and so he sees it as important not only to win, but to do something lasting. The choice of Vance also indicates how Trump sees the future of the Republican Party. If Vance becomes vice president, he will be a front-runner for the Republican nomination in 2028. His nomination will certainly be challenged, but Trump wants the Republican Party to stick to his agenda of nationalism, populism and 'America First'. Vance, a Yale Law School graduate, is perhaps the most vocal supporter of MAGA. He is critical of the financial sector, corporate monopolies, free trade, global interventionism and illegal immigration. He opposed the national security supplemental bill that provided military aid to Ukraine, Israel and Taiwan this year. When Vance spoke at the National Conservative Conference in Washington, D.C., last week, he was greeted like a star. He spoke with ease. He named prominent policy experts in the audience, such as Elbridge Colby, who favors prioritizing a foreign policy that would limit foreign commitments to contain China, and Oren Cass, who is a critic of liberal economics. Vance praised the growing influence of nationalist populism in the Republican Party. “Even if we don't win the debate on Ukraine aid, I think this really matters,” he said. His elevation to the vice presidency would guarantee a MAGA West Wing and strengthen advocates of tough foreign policy and government action to rebuild domestic manufacturing and the defense industrial base. He used his harshest words for immigration, saying, 'The real danger to American democracy is that American voters keep voting for less immigration and our politicians keep approving more immigration. No one can deny that immigration has made our societies poorer, less safe, less prosperous. Trump has influenced global politics for nearly a decade. Vance's nomination shows that Trump's style, his policies and his appeal to non-college-educated voters of every race and ethnicity will rule the Republican Party for decades to come.Trump has influenced global politics for nearly a decade. Vance's nomination shows that Trump's style, his policies and his appeal to non-college-educated voters of every race and ethnicity will rule the Republican Party for decades to come.Trump has influenced global politics for nearly a decade. Vance's nomination shows that Trump's style, his policies and his appeal to non-college-educated voters of every race and ethnicity will rule the Republican Party for decades to come.Trump has influenced global politics for nearly a decade. Vance's nomination shows that Trump's style, his policies and his appeal to non-college-educated voters of every race and ethnicity will rule the Republican Party for decades to come.Trump has influenced global politics for nearly a decade. Vance's nomination shows that Trump's style, his policies and his appeal to non-college-educated voters of every race and ethnicity will rule the Republican Party for decades to come.Trump has influenced global politics for nearly a decade. Vance's nomination shows that Trump's style, his policies and his appeal to non-college-educated voters of every race and ethnicity will rule the Republican Party . for decades to come.

अनिल हत्याकांड: पत्नी के सामने तड़पता रहा पति, पत्नी ने हत्यारों से कहा-करते रहो वार

बेटे की चाहत में छह माह पूर्व तांत्रिक के संपर्क में आई थी कारोबारी की पत्नी, प्रेम संबंध में रोड़ा बन रहा था पति

मुरादाबाद- कघटर थाना क्षेत्र में शनिवार आधी रात को हुई पीतल कारोबारी की हत्या का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया। पत्नी ने अपने प्रेमी तांत्रिक के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। पत्नी ने अनिल के खाने में नशे का कैप्सूल मिलाया था, जिससे वह गहरी नींद में सो गया था। प्रेमी तांत्रिक के साथियों के साथ मिलकर पत्नी ने कारोबारी पर ताबड़तोड चाकू से हमला किया था। घटना में एक आरोपी की भी मौत हुई है। पुलिस ने बुधवार को पत्नी तन्नू चौधरी और मोहित को गिरफ्तार किया है। वहीं घटना का मुख्य साजिशकर्ता तांत्रिक कन्हैया फरार है। थाना क्षेत्र के गाड़ीखाना निवासी पीतल कारोबारी अनिल चौधरी की 13 जुलाई की रात को पत्नी तन्नू चौधरी ने प्रेमी तांत्रिक कन्हैया, आमोद और मोहित के साथ मिलकर हत्या कर दी थी। घटना का खुलासा करते हुए एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया ने बताया है कि अनिल की हत्या पत्नी तन्नू चौधरी व प्रेमी कन्हैया ने मिलकर योजनाबद्ध तरीके से की थी। उन्होंने कहा कि कारोबारी अनिल चौधरी की पत्नी तन्नू पिछले छह माह से बाला जी की पूजा करने वाले तांत्रिक कन्हैया के संपर्क में थी। कारोबारी की दो बेटियां हैं। बेटे की चाहत में तन्नू तांत्रिक कन्हैया के संपर्क में आई थी। हर शनिवार को कन्हैया बालाजी का दरबार लगाता था। बच्चों के साथ तन्नू भी वहां जाया करती थी। कई बार दोनों साथ में बालाजी के दर्शन करने के लिए राजस्थान भी गए थे। इसके बाद उसकी कन्हैया से काफी नजदीकी हो गई थी। जिसकी भनक अनिल को लग गई थी। घटना से एक दिन पहले बनी थी कारोबारी की हत्या की योजना- पुलिस पूछताछ में आरोपी मोहित ने बताया है कि दो माह पूर्व वह कन्हैया के पास अपनी बहन को ले गया था। जहां पर उसका संपर्क आमोद, तन्नू से हुआ था। इसके बाद तीनों में घनिष्ठता बढ़ गई। 13 जुलाई को कन्हैया ने दरबार लगाया था। जहां पर तन्नू अपने बच्चों के साथ पहुंची थी। तांत्रिक कन्हैया ने पत्नी समेत तीनों को बंद कमरे में बैठाकर हत्या की साजिश रची थी। जहां पर कन्हैया ने तन्नू को अनिल के खाने में मिलाने के लिए नशे का कैप्सूल दिया था। शनिवार की रात तीनों अनिल के घर पहुंचे। कन्हैया ने निगरानी के लिए बाइक घर से थोड़ी दूरी पर ही रोक ली। योजना के अनुसार पत्नी ने पहले से ही घर का गेट खुला छोड़ दिया था। आमोद और मोहित घर में घुस गए। जहां पर तन्नू बेड पर बैठी थी और अनिल नशे में गहरी नींद में सो रहा था। सोते समय तीनों ने मिलकर अनिल के शरीर पर चाकू से 15 वार किए। अनिल लहूलुहान जमीन पर गिर पड़े। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को पत्नी तन्नू चौधरी व मोहित को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं मुख्य साजिशकर्ता तांत्रिक कन्हैया अभी फरार है। आधी रात हत्यारों ने पीतल कारोबारी को चाकुओं से गोदा था- मृतक की 13 साल की बेटी ने पुलिस को बताया था कि शनिवार रात करीब 1 बजे फर्म का पेमेंट देने के बहाने घर में आए मोहित और आमोद ने उसके पिता की चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी। इसके बाद फरार हो गए। पीतल कारोबारी के परिजनों ने इस मामले में मोहित और आमोद को नामजद करते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई थी। हालांकि रात में ही पुलिस को मुगलपुरा क्षेत्र में आमोद जख्मी और बेहोशी की हालत में पड़ा मिला था। उसके हाथों पर चाकू से कट के निशान थे। पुलिस ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां रविवार सुबह उसने दम तोड़ दिया था। पुलिस इसके बाद वारदात में शामिल मोहित की तलाश में थी। वारदात को देनी थी लूट की शक्ल, लेकिन बेटी जाग गई- चाकू से हमला होने पर अनिल चौधरी की चीख निकली तो उनकी 13 साल की बेटी मानवी की आंख खुल गई थी। बेटी की आंख नहीं खुली होती तो तन्नू इसे लूट के विरोध पर हत्या का रूप देने की प्लानिंग बनाए बैठी थी। लेकिन, बेटी के जागने पर उसने कातिलों आमोद और मोहित को पहचान लिया। इसके बाद तन्नू को कहानी बदलनी पड़ी। उसने कहानी बनाई कि फर्म का पेमेंट देने के नाम पर आमोद और मोहित ने गेट खुलवाया और फिर उसके पति पर हमला कर दिया। घायल आमोद को रास्ते में छोड़कर भाग गए थे कन्हैया व मोहित- मोहित ने पूछताछ में बताया है कि घटना के समय अनिल ने बचने का प्रयास किया था। अनिल की चीख सुन उनकी बड़ी बेटी मानवी जाग गई थी। उसने पिता को बचाने का प्रयास किया था। आरोपी चाकू से वार करते रहे। इसी दौरान मानवी ने दोनों के चेहरे पहचान लिए। घटना में आमोद के हाथ में चाकू लग गया, जिससे आमोद के हाथ की नस कट गई। फिर दोनों घटनास्थल से भाग खड़े हुए। एसपी सिटी ने बताया कि आमोद को कन्हैया और मोहित इलाज के लिए अस्पताल लेकर जा रहे थे कि रास्ते में आमोद अचानक बेहोश हो गया। दोनों रास्ते में ही आमोद को छोड़कर भाग गये थे। घटना के बाद आरोपियों ने चाकू रामगंगा घाट पर एक जगह छिपा दिया था।

ॅअनिल की पत्नी तन्नू चौधरी ने तांत्रिक प्रेमी के साथ मिलकर हत्या की थी। अनिल प्रेम संबंध में रोड़ा बन रहा था। बुधवार को पत्नी तन्नू और मोहित को गिरफ्तार किया है। वहीं फरार मुख्य साजिशकर्ता की तलाश की जा रही है। - अखिलेश भदौरिया, एसपी सिटी

व्हाट्सएप पर परिचित का लगाया था फोटो, व्यापारी से कॉल पर मांगी मदद, फिर ठग लिए 23 हजार

मुरादाबाद- साइबर अपराधियों ने कारोबारी से 23 हजार रुपये की ठगी कर ली। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। बताया कि आरोपियों ने अपने व्हाट्सएप पर कारोबारी के परिचित का फोटो लगाया था। साइबर अपराधी ने व्हाट्सएप डीपी पर परिचित का फोटो लगाकर व्यापारी से 23 हजार 310 रुपये ट्रांसफर करा लिए। ठग ने व्हाट्सएप कॉल करके खुद को परेशानी में बताकर मदद मांगी थी। पीड़ित ने इस मामले में केस दर्ज कराया है। कटघर क्षेत्र के रहमत नगर निवासी मोहम्मद अमजद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि एक अंजान नंबर से व्हाट्सएप कॉल आई थी। जिस पर परिचित की डीपी लगाई हुई थी। कॉल करने वाले व्यक्ति ने कहा कि 25 हजार रुपये तत्काल उसके खाते में डलवा दें।परिचित को परेशानी में देखकर मोहम्मद अमजद ने 23 हजार 310 रुपये उसके बताए खाते में ट्रांसफर करवा दिए। कुछ देर बाद जब उसने परिचित को फोन कर पता किया तो परिचित ने कहा कि मैंने तो कॉल नहीं की थी। पीड़ित ने पुलिस से शिकायत पर साइबर अपराधी के खिलाफ केस दर्ज कराने की मांग की। कटघर थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि साइबर सेल की मदद से आरोपी की तलाश की जा रही है। शादी में कहासुनी के बाद वेटर पर डाला खौलता तेल- ठाकुरद्वारा नगर में एक शादी समारोह में काम करने आए वेटर अनिल कुमार पर कहासुनी के बाद एक बराती ने खौलता तेल डाल दिया। इससे वेटर का कंधा झुलस गया। उत्तराखंड के ऊधमसिंह नगर जिले के जसपुर के मोहल्ला गुजारत्यान निवासी अनिल कुमार ठाकुरद्वारा के एक मैरिज हॉल में वेटर का काम करने आए थे। अनिल शादी में हलवाई के साथ काम कर रहा था। नशे में एक बराती ने वेटर से प्लेट को धोकर लाने को कहा। अनिल ने कहा कि यह काम दूसरे वेटर करेंगे। इस पर बराती ने वेटर पर खौलता तेल डाल दिया। पुलिस ने वेटर का मेडिकल कराया।

बिना अनुमति बना दिया तालाब, डूबने से दो बच्चों की जान गई... शवों को देखकर महिलाओं की निकल गई चीख

मुरादाबाद- जयंतीपुर में तलाब से डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई। इससे दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। जांच में पता चला कि तालाब बिना अनुमति के ही बनाया जा रहा था। बच्चों के शवों को देखकर महिलाओं की चीख निकल उठी। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर लिया है। मझोला थाना क्षेत्र के जयंतीपुर में मंगलवार शाम अरशद उर्फ अशद (8) और साबिया (7) की तालाब में डूबने से मौत हो गई। दोनों खेलते-खेलते तालाब के पास पहुंच गए गए थे। देर रात दोनों का शव तालाब से निकालकर पोस्टमार्टम कराया गया। रिपोर्ट में पानी में डूबने से मौत होने की पुष्टि हुई।इस मामले में तालाब मालिक और उसकी पत्नी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। तालाब में डूबकर जान गंवाने वाला अरशद उर्फ अशद पुत्र नईम (8) और साबिया पुत्री माजिद (7) मझोला के जयंतीपुर स्थित टीचर कालोनी के रहने वाले थे। दोनों बच्चों के परिवार आस पड़ोस में रहते हैं। अरशद के पिता नईम एलईडी और टीवी ठीक करने का काम करते हैं, जबकि साबिया के पिता माजिद ई-रिक्शा चलाते हैं। मंगलवार शाम अरशद और साबिया खेलने के लिए घर से निकले थे। इसके बाद दोनों अन्य बच्चों के साथ तालाब के पास पहुंच गए। इसी दौरान अरशद और साबिया के पैर फिसल गए और दोनों तालाब में गिर गए। अन्य बच्चों के शोर मचाने पर परिजन और कॉलोनी के अन्य लोग मौके पर पहुंच गए। इसके बाद अरशद और साबिया को बाहर निकाला गया लेकिन तब दोनों की मौत हो चुकी थी। सीओ सिविल लाइंस अर्पित कपूर ने बताया कि अरशद उर्फ अशद के दादा मोहम्मद यामीन की तहरीर पर तालाब मालिक सैयद रहमान और उसकी पत्नी नासिरा के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। जिसमें आरोप है कि पति-पत्नी ने मछली पालन के लिए तालाब खुदवाया है। लेकिन सुरक्षा के लिए कोई बेरीकेडिंग नहीं लगाई है। पति-पत्नी की लापरवाही के कारण मेरे पोते और पड़ोसी माजिद की बेटी की मौत हुई है।

दस करोड़ रुपये खच....ं हस्तशिल्प कारोबार का नहीं मिला सकी रफ्तार, बिजली आपूर्ति बनी है बड़ी बाधक

मुरादाबाद- संभल के हस्तशिल्प कारोबार को रफ्तार नहीं मिल पा रही है। शासन ने यहां करोड़ों खर्च कर कॉमन फैसलिटी सेंटर तक खोल दिया है। मगर बिजली की आपूर्ति नहीं होने के कारण यह चालू नहीं हो पाया है। इसका असर कारोबार पर पड़ रहा है। संभल में हस्तशिल्प कारोबार को रफ्तार देने के लिए शासन ने जिले में करोड़ रुपये की लागत से कॉमन फैसलिटी सेंटर (सीएफसी) का निर्माण कराया। तीन जनवरी को सीएम सीएफसी का लोकार्पण भी कर चुके हैं, लेकिन अनदेखी के चलते सीएफसी का संचालन अभी तक नहीं हो सका है। संभल के गांव रसूलपुर धतरा में स्थापित कॉमन फैसलिटी सेंटर (सीएफसी) लोकार्पण होने के छह माह बाद भी शुरू नहीं हो सका है। इसमें सबसे बड़ी दिक्कत बिजली आपूर्ति की बनी हुई है। चंदौसी डिविजन के ग्रामीण इलाके से बिजली आपूर्ति मिलती है।एसोसिएशन का दावा है कि दो से तीन घंटे ही बिजली मिल निकाल पा रहे हैं। सीएफसी को संचालित करने वाली होर्न बोन थक चुके हैं। 17 जनवरी से यह पूरी तेजी से काम करना था काम होना था वह नहीं हो पा रहा है। उत्पादों को बनाया जा सकेगा हैं। इसके अलावा स्वदेशी मशीनें लगी हैं। इन मशीनों से संभल जरूरत का बनाया जा सकेगा। अभी तक संभल का बटन विदेशी कारोबार में करीब सालाना 100 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी होगी। है। अभी तक मुरादाबाद में काम कराया जाता है। सीएफसी रफ्तार बड़ी बाधा बन गई है। दो से तीन घंटे ही बिजली आपूर्ति मिल पा है। दो से तीन घंटे ही बिजली मिलती है उससे काम रफ्तार नहीं भर

रही है। इसलिए काम नहीं हो पा रहा है। इसका समाधान तक नहीं जिम्मेदार क्राफ्ट एसोसिएशन के पदाधिकारी भी अधिकारियों के चक्कर लगा कर लेकिन अभी तक इसकी रफ्तार सुस्त पड़ी है। हस्तशिल्प को संवारने का आकर्षक- पांच करोड़ कीमत की इटली से मंगाकर मशीन लगवाई गई और सरायतरीन में तैयार होने वाले उत्पादों को और अधिक आकर्षक और खरीदकर संवारते थे। अब वह बटन संभल में ही संवारा जाना है। इससे इस सीएफसी में लकड़ी को सुखाने और संवारने का भी काम किया जाना भरे तो हस्तशिल्प के कारोबारियों को राहत मिले लेकिन बिजली आपूर्ति रही है। इसलिए काम नहीं हो पा रहा। बिजली की आपूर्ति नहीं मिल पा रही पा रहा है। कई बार अधिकारियों के सामने समस्या रखी है लेकिन अभी हल नहीं निकला है। ग्रामीण इलाके के शेड्यूल से भी 18 घंटे बिजली मिल जाए तो काम में तेजी आएगी और सीएफसी से काम तेजी से हो पाएंगे। -कमल कौशल वार्ष्णेय, डायरेक्टर, हॉर्न बोन क्राफ्ट फाउंडेशन, संभल हमने बिजली विभाग के मुख्य अभियंता मुरादाबाद से बातचीत की है। ग्रामीण इलाके के शेड्यूल से ही बिजली आपूर्ति फिलहाल की जाए। जिससे सीएफसी की दिक्कत दूर हो सके। -योगेश कुमार, संयुक्त आयुक्त उद्योग, मुरादाबाद ग्रामीण क्षेत्र के शेड्यूल के मुताबिक तो बिजली आपूर्ति की जा रही है। बारिश और गर्मी के चलते कई बार आपूर्ति में दिक्कत हो जाती है। सीएफसी के जिम्मेदारों से कहा गया है कि वह शहरी क्षेत्र की लाइन का स्टीमेट बनवा लें जिससे उनकी दिक्कत दूर हो सके। -विनोद कुमार, अधीक्षण अभियंता, विद्युत, संभल संभल में प्रतिवर्ष होता है करीब 400 करोड़ कारोबार- सरायतरीन संभल का हस्तशिल्प दुनिया के बड़े बड़े देशों में अपनी पहचान बनाए हुए है। यह कारोबार यूरोप, अमेरिका और अरब देशों से जुड़ा हुआ है। कारोबारी विदेश को सप्लाई देते हैं। इसका लाभ आम व्यक्ति से लेकर बड़े कारोबारी को होता है। हॉर्न-बोन क्राफ्ट फाउंडेशन के डायरेक्टर ताहिर सलामी ने बताया कि हर साल करीब 400 करोड़ का कारोबार होता है। सीएफसी बनने से कारोबार बढ़ने की उम्मीद है। इसके संचालन में बिजली आपूर्ति बाधा बनी हुई है। बिजली आपूर्ति सही मिलने लगे तो सीएफसी रफ्तार भरेगा। इससे रोजगार भी मिलना शुरू होगा।

संक्षिप्त समाचार

चंदौसी-ऋषिकेश समेत छह पैसेंजर ट्रेनों में लगेंगे अतिरिक्त कोच, जल लाने वाले भक्तों को राहत

मुरादाबाद- कांवड़ मेले को देखते हुए छह ट्रेनों में अतिरिक्त अनारक्षित कोच जोड़े जाएंगे। इससे हरिद्वार और बृजघाट से जल लाने वाले भक्तों को राहत मिलेगी। रेवले अधिकारियों ने बताया कि यह व्यवस्था 22 जुलाई से 20 अगस्त तक लागू होगी। कांवड़ मेले के लिए चंदौसी-ऋषिकेश, गजरौला-अलीगढ़ पैसेंजर समेत छह ट्रेनों में अतिरिक्त अनारक्षित कोच जोड़े जाएंगे। 22 जुलाई से 20 अगस्त तक यह व्यवस्था लागू होगी। इससे कांवड़ लाने वाले श्रद्धालुओं को सहूलियत होगी।04360-59) ऋषिकेश-चंदौसी-ऋषिकेश पैसेंजर में तीन कोच, (04376-75) बरेली-अलीगढ़-बरेली पैसेंजर में दो कोच, (04378-77) बरेली-अलीगढ़-बरेली पैसेंजर में दो कोच जोड़े जाएंगे।इसके अलावा (04333-34) गजरौला-नजीबाबाद-गजरौला पैसेंजर में एक कोच, (04393-94) गजरौला-अलीगढ़-गजरौला पैसेंजर में एक कोच और (04358-57) नजीबाबाद-मुरादाबाद-नजीबाबाद पैसेंजर में एक कोच जोड़ा जाएगा। सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने बताया कि मुरादाबाद और आसपास के स्टेशनों से हरिद्वार, ऋषिकेश, गढ़मुक्तेश्वर, राजघाट जाने वाले यात्री काफी संख्या में रहते हैं। उनके लिहाज से यह व्यवस्था की गई है। जरूरत पड़ने पर कुछ एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव गंगा घाट वाले स्टेशनों पर दिए जा सकते हैं। एक्सप्रेस ट्रेनों में अतिरिक्त कोच भी जोड़े जा सकते हैं। मुरादाबाद से टांडा तक चलेंगी ई-बसें- यात्रियों की सुविधा के लिए मुरादाबाद से टांडा तक ई-बसें चलाई जाएंगी। इसके लिए ई-बस डिपो के अधिकारी रूट का निरीक्षण करेंगे। अगर रूट की स्थिति ठीक पाई गई तो जल्द ही ई-बस सेवा शुरू कर दी जाएंगी। मुरादाबाद सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड की ओर से शहर में तीन रूट पर ई-बस का संचालन किया जा रहा है। ई-बस डिपो के अधिकारियों के बीच मुरादाबाद से टांडा तक ई-बस चलाने की कवायद शुरू हो गई है। ई-बस डिपो के अधिकारियों ने बताया कि मुरादाबाद से टांडा ई-बस चलाने के लिए इस रूट का निरीक्षण किया जाएगा। इसके बाद ई-बसों को कुछ दिन तक चलाकर ट्रायल लिया जाएगा। अगर इस रूट पर यात्री मिलते हैं तो ई-बसों के संचालन पर विचार किया जाएगा। इससे पहले मुरादाबाद से टांडा तक ई-बस चलाने के लिए नगर पालिका परिषद टांडा की अध्यक्ष साहिबा सरफराज कमिश्नर को पत्र लिखकर मांग कर चुकी हैं। मुरादाबाद से टांडा तक ई-बसों का संचालन करने के लिए जल्द ही रूट का निरीक्षण किया जाएगा। अगर सब कुछ ठीक पाया गया तो विभाग की अनुमति मिलने के बाद ई-बस सेवा शुरू कर दी जाएगी। - बाबर खान, प्रबंधक संचालन, सिटी ई-बस सेवा

बाजार जाने के बहाने प्रेमी से मिलने पहुंची होटल, छापेमारी हुई तो मची भगदड़, इस हाल में मिले युवक व महिलाएं

मुरादाबाद- पुलिस ने रहरा रोड पर बने होटलों में छापामारी कार्रवाई की। एक होटल से आठ जोड़े पकड़े गए। सभी को पुलिस थाने ले जाया गया। पकड़ी गई एक महिला बच्चे को लेकर प्रेमी से मिलने गई थी। इसके बाद हकीकत खुली। अमरोहा के रहरा रोड पर गांव शाहपुर कला में दो होटलों पर प्रशासन के अधिकारियों ने छापा मारा। एक होटल में आठ जोड़े आपत्तिजनक हालत में मिले। एसडीएम-सीओ की टीम ने यह कार्रवाई की। बताया जा रहा है कि गलत गतिविधियां चल रही थीं।एसडीएम ने होटल को सील करा दिया है। मामले में रिपोर्ट दर्ज करने की तैयारी की जा रही है। नगर के रहरा रोड पर कस्बे से सटे गांव शाहपुर कला के नजदीक कई होटल संचालित हैं। आरोप है कि इन होटलों में अनैतिक कार्य कराया जाता है। दो दिन पूर्व गांव शाहपुर कला की ग्राम प्रधान मीनू रानी के नेतृत्व में ग्रामीणों के साथ एसडीएम कार्यालय पर पहुंचकर प्रदर्शन किया गया था। ऐसे होटलों पर कार्रवाई की मांग की थी, हवाला दिया था कि होटलों में हो रहे अनैतिक कार्यों से गांव में माहौल खराब हो रहा है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

डीएम की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

मुरादाबाद - जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए की शहरी क्षेत्र में मकान की छतों के ऊपर अनाधिकृत रूप से स्थापित होर्डिंग्स के स्ट्रक्चरों को तत्काल प्रभाव से हटवा दिए जाएं और यह

सुनिश्चित किया जाए कि नियम विरुद्ध तरीके से कहीं भी होर्डिंग पोल या स्ट्रक्चर स्थापित नहीं होने चाहिए। सड़कों पर भी अवैध तरीके से स्थापित होर्डिंग पोल हटाए जाएं। जिलाधिकारी ने बीते माह में घटित सड़क दुर्घटनाओं और उनके कारणों के बारे में विस्तार पूर्वक समीक्षा की तथा कहा कि दुर्घटना बाहुल्य चिन्हित स्थलों पर सुरक्षा और सावधानी के दृष्टिकोण से साइनेज एवं अन्य जरूरी कार्य कराए जाएं ताकि सड़क दुर्घटनाओं को न्यूनतम स्तर पर लाया जा सके। उन्होंने लोक निर्माण विभाग एवं एनएचएआई के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आमजन की सुरक्षा के दृष्टिकोण से सड़कों पर जो भी कार्य कराने के निर्देश दिए जा रहे हैं उनके क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जिले में जो ब्लैक स्पॉट्स चिन्हित हैं वहां जरूरी सुरक्षात्मक कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से कराए जाएं। प्रायः यह देखा गया है कि नेशनल हाईवे से स्थानीय मार्गो के जुड़ाव बिंदु पर अधिकतम दुर्घटनाएं घटित होती हैं इसलिए ऐसे स्थलों को भी चिन्हित करके वहां सुरक्षा के दृष्टिकोण से कार्य करा लिए जाएं। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए संबंधित विभागों द्वारा कराए जाने वाले कार्यों के संबंध में फोटो संलग्न करते हुए रिपोर्ट प्रेषित करें। एनएचएआई स्तर से नेशनल हाईवे पर जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएं ताकि किसी भी दुर्घटना के दौरान दोषियों को चिन्हित करने में मदद मिल सके। इस अवसर पर एसपी सिटी श्री अखिलेश भदौरिया, एडीएम सिटी सुश्री ज्योति सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी गण मौजूद रहे।

उप निर्वाचन विर्निष्टि समय सारणी के अनुसार सम्पन्न कराने के निर्देश दिए

जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनुज सिंह ने क्षेत्र पंचायत सदस्यों के वैधानिक रुप से रिक्त पदों/स्थानों, जो मा0 न्यायालय के स्थगनादेश से बाधित न हो, पर उप निर्वाचन विर्निष्टि समय सारणी के अनुसार सम्पन्न कराने के निर्देश दिए। जिला मजिस्टेऊट ने बताया कि नाम निर्देशन पत्रों को जमा करने का अन्तिम दिनांक व समय 22 जुलाई 2024 पूर्वान्ह् 10 बजे से अपरान्ह् 4 बजे तक, नाम निर्देशन पत्रों की जांच का दिनांक व समय 23 जुलाई 2024 पूर्वान्ह् 10 बजे से कार्य की समाप्ति तक, उम्मीदवारी वापस लेने का दिनांक व समय 24 जुलाई 2024 पूर्वान्ह् 10 बजे से अपरान्ह् 3 बजे तक, प्रतीक आवंटन का दिनांक व समय 24 जुलाई 2024 अपरान्ह् 3 बजे से कार्य की समाप्ति तक, मतदान का दिनांक व समय 06 अगस्त 2024 प्रातः 7 बजे से सायं 5 बजे तक तथा मतगणना का दिनांक व समय 08 अगस्त 2024 प्रातः 8 बजे से कार्य की समाप्ति तक। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्देशित निर्वाचन प्रक्रिया उपर्युक्त उप निर्वाचन में अपनायी जाएगी तथा उक्त समय सारणी के अर्न्तगत पड़ने वाले सार्वजनिक अवकाश दिवसों पर भी संबंधित कार्यालय खुले रहेंगे और निर्धारित समय सारणी के अनुसार कार्यवाही की जाएगी।

दुबई में जिस युवती को बेचा गया, उसने आखिर क्या किया...जो मिली फांसी की सजा; आरोपी रखेंगे अपना पक्ष

बांदा की युवती को दुबई में बेचने के मामले में आगरा के जूता कारोबारी सहित तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के आदेश हुए हैं। इस मामले में आरोपी परिवार ने अपना पक्ष रखा। बताया कि युवती को मदद के लिए बुलाया था। दुबई में ऐसा कुछ होगा, उन्हें इस बात का अंदाजा भी नहीं है। बांदा की युवती को दुबई की दंपती को बेचने के मामले में कोर्ट ने नाई की मंडी के रहने वाले जूता कारोबारी उजैर सहित तीन के खिलाफ मुकदमे के आदेश किए हैं। इस मामले की जानकारी पर आरोपी परिवार का कहना है कि पुलिस की विवेचना में अपना पक्ष रखेंगे। उन्होंने युवती की मदद की थी। उन पर लगे आरोप गलत हैं। पूर्व में दो बार पुलिस जांच भी कर चुकी है। बांदा के मटौध थाना क्षेत्र के गोयरा मुगली निवासी शब्बीर खान ने सीजेएम कोर्ट में प्रार्थनापत्र दिया था। इसमें कहा था कि बेटी शहजादी आग में जल जाने के कारण दिव्यांग है। वह एक संस्था से जुड़ गई। फेसबुक के जरिये आगरा के नाई की मंडी स्थित तोपखाना के उजैर से दोस्ती हुई थीनवंबर 2021 में इलाज के बहाने ले आया। आरोप है कि उसे दुबई में रह रहे अपने फूफा फैज व नादिया को बेच दिया। वहां पर शहजादी को फैज ने अपने बेटे की मौत के आरोप में फंसा दिया। वहां की अदालत ने उसे दोषी ठहराते हुए फांसी की सजा सुना दी। वह जेल में बंद है। शब्बीर खान के प्रार्थनापत्र पर कोर्ट ने फैज, नादिया और उजैर के खिलाफ मुकदमे के आदेश दिए हैं। उधर, उजैर का कहना है कि उसने फेसबुक पर दोस्ती के बाद युवती की मदद की थी। वह नौकरी की तलाश में थी। उजैर की बुआ ताजगंज क्षेत्र में रहती हैं। उसने शहजादी को बुआ के घर भेज दिया। दुबई में बुआ के 4 महीने के बेटे की हत्या हुई थी। इसमें नादिया को साक्ष्यों के आधार पर सजा हुई है। युवती के परिवार वाले दबाव बना रहे हैं। पूर्व में पुलिस से शिकायत की थी। मगर, जांच में उस पर लगे आरोप गलत निकले। इस पर कोर्ट में प्रार्थनापत्र दिया। वह अपना पक्ष पुलिस के सामने रखेंगे। पिछले साल उन्होंने भी पुलिस आयुक्त कार्यालय में शिकायत की थी। मगर, मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई। उजैर की हींग की मंडी में जूते की ुकान है।

कांवड़ यात्रा बहस: मायावती ने कहा- सरका वापस ले आदेश, राकेश टिकैत बोले-दंगा झेल चुके नई शुरुआत न होनें देंगे

कांवड़ यात्रा वाले मार्ग पर स्थित ठेले वालों, ढाबों और होटलों पर नाम लिखने के आदेश ने तूल पकड़ा तो बसपा सुप्रीमों ने भी इस मामले को लेकर एक्स पर पोस्ट करते हुए इस आदेश का वापस लेने की बात कही है।कांवड़ यात्रा को लेकर मुजफ्फरनगर के एसएसपी ने कांवड़ यात्रा वाले मार्ग पर स्थित ठेले वालों, ढाबों और होटलों पर प्रोपराइटर व संचालकों के नाम लिखने के आदेश दिए हैं। पुलिस ने हाईवे व नगर में आदेशों का पालन कराना भी शुरू कर दिया है। इसे लेकर देशव्यापी बहस शुरू हो गई है। इसे लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी एक्स पर पोस्ट की है। मार्ग पर स्थित ठेले वालों, ढाबों और होटलों पर प्रोपराइटर व संचालकों के नाम लिखने के आदेश दिए हैं।

बेटे को डाक कांवड़ लेने जाना था... मां हो गई बेहोश, बारिश के पानी से भरे गड्ढे में डूबने से छात्र की मौत

बहजोई के पवांसा में बारिश के पानी से भरे गड्ढे में डूबने से छात्र की मौत हो गई। इसकी जानकारी पर परिजनों में कोहराम मच गया। शव घर पहुंचा तो मां बेहोश हो गई। उनका कहना था कि कुछ दिन बाद बेटे को कांवड़ लेने जाना था। बहजोई थाना क्षेत्र के गांव पवांसा निवासी 12वीं के छात्र में सुमित (18) की बुधवार की सुबह नौ बजे ईंट भट्ठे के गड्ढे में भरे बारिश के पानी में नहाते डूबकर मौत हो गई। जबकि

और राहुल ने जान बचाई। पोस्टमार्टम के है।गांव पवांसा शर्मा उर्फ बिंटू 12वीं का छात्रा सुबह सुमित कुलदीप के साथ नजदीक एक ईंट बारिश के पानी में उसके साथ दीपांशु किसी तरह अपनी पुलिस ने शव लिए भेज दिया निवासी करनपाल शर्मा का बेटा सुमित था। बुधवार की मोहल्ले के अपने दोस्त गया था। गांव के भट्ठे के गड्ढे में भरे सुमित और उसके दोस्त कुलदीप, राहुल, दीपांशु और हर्षित नहाने लगे।इसी दौरान सुमित गहराई में पहुंचा तो डूबने लगा। दीपांशु और राहुल ने उसे बाहर निकालने का प्रयास किया तो वह भी डूबने लगे। जिस पर किसी तरह दीपांशु और राहुल तो गड्ढे से बाहर निकल आए, लेकिन सुमित डूब गया। दोस्तों ने शोर मचाया तो आसपास के लोग एकत्र हो गए और सुमित को बाहर निकाला। परिजन उसे उपचार के लिए चिकित्सक के पास ले गए, जहां पर उसे मृत घोषित कर दिया। बहजोई थाना प्रभारी योगेश कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे थे और छात्र को अस्पताल लेकर गए। जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। तमाशबीन बनी रही यूपी 112 पुलिस- ग्रामीणों ने बताया कि सुमित के डूबने के बाद परिजनों के साथ ही गांव के काफी लोग एकत्र हो गए। परिजनों ने लोगों की मदद से सुमित को बाहर निकाला तो यूपी डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। उनके पास गाड़ी भी थी, लेकिन यूपी डायल 112 पुलिस सुमित को अस्पताल ले जाने के बजाए तमाशबीन बनी रही। काफी देर बाद बहजोई थाना प्रभारी योगेश कुमार मौके पर पहुंचे और अपनी गाड़ी से सुमित को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। यदि यूपी डायल 112 पुलिस सुमित को अपनी गाड़ी से अस्पताल ले जाती तो शायद समय से उपचार मिलने पर उसकी जान बच जाती। रोते हुए मां बोली, डाक कांवड़ लेने जाता सुमित- सुमित की मौत के बाद मां सर्वेश देवी का रो-रोकर बुरा हाल था। वह बार-बार रोते हुए कह रही थीं कि महाशिवरात्रि पर सुमित हरिद्वार से डाक कांवड़ लेने के लिए जाता। वह काफी दिनों से डाक कांवड़ लाने की जिद कर रहा था। जिसके बाद परिजनों ने भी सहमति दे दी थी। जिसके बाद उसने तैयारी भी कर ली थी। बोलीं सुबह कुछ देर में आने की बात कहकर घर से निकला था। वह तो नहीं आया, लेकिन कुछ देर बाद उसके डूबने की सूचना मिली। पहले भी हो चुके हैं ऐसे हादसे- हजरतनगर गढ़ी थाना क्षेत्र के गांव मोहम्मदपुर मालनी में 28 जून को 14 वर्षीय समरीन और 10 वर्षीय अब्दुल कादिर की ईंट भट्ठे के गड्ढे में डूबने से मौत हो गई थी। इसमें एक छह वर्षीय बालक जीशान को लोगों ने बचा लिया था। यह गड्ढा भी ईंट भट्ठे की मिट्टी के लिए खोदा गया था। बारिश का पानी भरने से तालाब बन गया था। बच्चे नहाने के लिए उतरे तो हादसे का शिकार हो गए।

साइबर फ्रॉड्स के निशाने पर छात्राएं : अश्लील वीडियो देख रही हो, पापा को बता दूं... कहकर जालसाज ऐंठ रहे रकम

हेलो, मैं साइबर सेल से बोल रहा हूं, तुम अपने मोबाइल पर अश्लील वीडियो देखती हो और दूसरों को भी भेज रही हो। अगर कहो तो पापा को बता दूं। चलो मुझे जल्दी से बीस हजार रुपये ट्रांसफर करो, वरना तुम्हारे घरवालों को सच्चाई बता दूंगा।हेलो, मैं साइबर सेल से बोल रहा हूं, तुम अपने मोबाइल पर अश्लील वीडियो देखती हो और दूसरों को भी भेज रही हो। अगर कहो तो पापा को बता दूं। चलो मुझे जल्दी से बीस हजार रुपये ट्रांसफर करो, वरना तुम्हारे घरवालों को सच्चाई बता दूंगा। कुछ दिनों पहले झांसे में आकर एक प्रतियोगी छात्रा ने जालसाजों को दस हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए लेकिन आपके मोबाइल पर इस तरह की कॉल आती है तो जरा सतर्क हो जाइए, क्योंकि साइबर जालसाज इन दिनों छात्राओं को अपना निशाना बनाकर उनसे पैसे ऐंठ रहे हैं। साइबर सेल के मुताबिक, जालसाजों ने इन दिनों ठगी करने का नया तरीका तलाश लिया है। ये जालसाज छात्राओं को व्हाट्सएप कॉलिंग कर अश्लील वीडियो देखने और फिर इन वीडियो को आगे भेजने की बात कहकर इनको डराते धमकाते हैं।कहते हैं कि तुम्हारे मम्मी-पापा से बताया जाएगा कि आपकी बेटी पढ़ने के बजाय ये सब कारनामे कर रही है। कई छात्राएं झांसे में आ भी जाती हैं। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले एक महीने में करीब 55 शिकायतें साइबर सेल में दर्ज करवाई जा चुकी हैं। ज्यादातर पीड़िता छात्राएं- आने वाली शिकायतों में अधिकतर छात्राएं हैं। ये छात्राएं गोरखपुर, कानपुर, प्रतापगढ़, आजमगढ़, वाराणसी, लखनऊ, फतेहपुर, कौशाम्बी, अमेठी, सोनभद्र, रायबरेली समेत अन्य आसपास की जिलों से प्रयागराज आकर पढ़ाई कर रही हैं। इनका डाटा कहीं से लीक होने का शक है। पुलिस जालसाजों की पहचान करने में जुटी हुई है। कान पकड़कर उठक-बैठक भी कराई- जालसाज अपने प्रोफाइल पिक्चर पर किसी पुलिसकर्मी को लगाए रहते हैं। यह देख छात्राएं डर जाती हैं। जिन छात्राओं ने इनको पैसा दिया है उसे यह लगातार ब्लैकमेल करते रहते हैं। वीडियो कॉलिंग पर कान पकड़कर उठक बैठक कराते हैं। साइबर सेल प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि जालसाजों का लिंक राजस्थान के मेवात से आया है। डरने से और डराते हैं जालसाज - एक्सपर्ट यूपी पुलिस के साइबर सलाहकार राहुल मिश्रा कहते हैं कि अगर किसी के पास ऐसी कॉल आती है तो वह डरे नहीं। इन बातों पर ध्यान दें... 1- जालसाज आपको ज्यादातर इंटरनेट पर ही कॉल करेंगे 2- नॉर्मल कॉल पर अधिकतर कोड +92 +44 का होगा 3- खाता ऑनलाइन लिंक है तो आसानी से नाम जान लेंगे 4- अपनी निजी जानकारी सोशल मीडिया पर डालने से बचें 5- हेल्पलाइन नंबर 1930 और **cybercime.gov.in** सूचना दें कर्नलगंज थाना क्षेत्र की रहने वाली एक छात्रा के पास फोन आया। कॉलर ने खुद को साइबर सेल अधिकारी बताते हुए कहा कि तुम्हारे मोबाइल से लगातार गंदा-गंदा वीडियो भेजा रहा है। तुम जेल जाओगी। तीन करोड़ रुपये तैयार रखो। शिकायत साइबर सेल को दी गई। इसी तरह फूलपुर की रहने वाली एक प्रतियोगी छात्रा ने साइबर पुलिस को बताया कि उसके पास एक कॉल आई। कॉलर ने पुलिस अधिकारी बताकर कहा कि वह अश्लील वीडियो देखती है। जांच करने पर उसका नाम सामने आया है। दस हजार रुपये भेज दो, मामला रफा-दफा हो जाएगा। इसके बाद धूमनगंज थाना क्षेत्र निवासी एक छात्रा के पास व्हाट्सएप पर कॉल आई। कॉलर ने कहा कि वह अश्लील वीडियो देख रही है। उसके पास सारा डाटा आ गया है। अगर उसे बीस हजार रुपये नहीं दिए तो शिकायत उसके पापा से कर दी जाएगी।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

विभागीय अफसर कर रहे उत्पीड़न...उसे फंसाया जा रहा, गंगा में कूद दूंगा जान, सिपाही आरोप लगा हो गया था गायब

ब्रजघाट गंगा पुल से कूद कर जान देने की बात कर सिपाही गायब हो गया है। इससे विभाग में हड़कंप मच गया। सिपाही ने अधिकारियों पर भी कई आरोप लगाया था। अफसरों ने बताया कि कर्ज से तंग आकर सिपाही गायब हो गया था। उसे बरामद कर लिया गया है। गजरौला के ब्रजघाट गंगा पुल से गंगा में कूद कर जान देने की बात कह गायब हुआ पीएसी का सिपाही पुलिस ने बरामद कर लिया। वह बिजनौर से बरामद किया गया। पुलिस का कहना है कि उस पर 18 लाख रुपये का कर्ज था। जिसके चलते उसने यह कदम उठाया। पुलिस ने उसे परिजनों की सुपुर्दगी में दे दिया। 24 जून को मंडी धनौरा थाना क्षेत्र के पपसरी खादर निवासी सुरेश कुमार ने ब्रजघाट गंगा पुल पर बैठकर अपना वीडियो बनाकर वायरल किया था। वह मुरादाबाद की 24वीं बटालियन का सिपाही है।वीडियो में उसने कहा था कि विभागीय अफसर उसका उत्पीड़न कर रहे हैं। उसे गलत काम में झूठे फंसाया जा रहा है, जबकि उसने ऐसा कोई काम नहीं किया। वीडियो में उसने यह भी कहा था कि वह गंगा में डूब कर जान दे रहा है। उसकी वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर उसकी तलाश कर रही थी। मामले की विवेचना एसएसआई ब्रजेश सिंह कर रहे थे। उन्होंने उसकी बरामदगी के लिए कॉल डिटेल निकलवाई। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। लंबी कसरत के बाद बुधवार को पुलिस को सुराग मिला कि वह अमरोहा व नौगावां सादात के बीच में है। कहीं जाने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने पुलिस टीम लेकर दबिश दी और उसे पकड़ लिया। इंस्पेक्टर हरीश वर्धन सिंह का कहना है कि उसे परिजनों की सुपुर्दगी में दिया गया है। उसके आला अफसरों को बरामद होने की जानकारी दे दी गई है। सीओ श्वेताभ भास्कर ने बताया कि सिपाही पर 18 लाख रुपये का कर्ज था। इसके अलावा वह निलंबित कर दिया गया था। जिससे उसने यह कदम उठाया।

पीएम मोदी और रेल मंत्री लें गोंडा रेल हादसे की जिम्मेदारी, कांग्रेस ने सरकार को घेरा

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि उत्तर प्रदेश में चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के पटरी से उतरने से साफ है कि मोदी सरकार ने रेल सुरक्षा को खतरे में डाला है। उन्होंने कहा कि

हादसे में मृत लोगों और उनके शोक संतप्त परिवार के प्रति हम गहरी संवेदना और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं। गोंडा में चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के 14 डिब्बों के पटरी से उतरने के बाद कांग्रेस ने केंद्र सरकार को घेरा है। कांग्रेस ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव को इस बड़ी खामी और हादसे की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। साथ ही सरकार को हर रूट पार तेजी से टक्कर रोधी प्रणाली कवच को स्थापित करना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि उत्तर प्रदेश में चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के पटरी से उतरने से साफ है कि मोदी सरकार ने रेल सुरक्षा को खतरे में डाला है। उन्होंने कहा कि हादसे में मृत लोगों और उनके शोक संतप्त परिवार के प्रति हम गहरी संवेदना और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं। एक महीने पहले मालगाड़ी और कंचनजंगा एक्सप्रेस की टक्कर में 11 लोगों की मौत हो गई थी। खरगे ने कहा कि रेलवे सुरक्षा आयुक्त बयान दिया है कि हादसे का इंतजार किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि जांच में सामने आया कि ऑटोमैटिक सिग्नल फेल होने के बाद ट्रेन संचालन में कई स्तरों पर खामी, लोको पायलट और ट्रेन मैनेजर के पास वॉकी-टॉकी न होना हादसे का प्रमुख कारण था। खरगे बोले कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके रेल मंत्री जो अपनी पब्लिसिटी का कोई मौका नहीं छोड़ते, उनको भारतीय रेलवे की इस खामी की सीधे तौर पर जिम्मेदारी लेनी चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हमारी एकमात्र मांग है कि हादसों को रोकने और सुरक्षा के लिए जल्द से जल्द सरकार देश के सभी रेलमार्ग पर टक्कर रोधी प्रणाली कवच लगाए। बता दें कि गोंडा जिले के गोंडा- मनकापुर रेलखंड के बीच चंडीगढ़ एक्सप्रेस के 14 डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसे में चार लोगों की मौत की खबर है जबकि 14 लोग जख्मी हो गए हैं। 15904 -चंडीगढ़ एक्सप्रेस चंडीगढ़ से गोरखपुर जा रही थी। हादसा मोतीगंज थाना क्षेत्र के पिकौरा गांव के पास हुआ। पौने तीन बजे दो डिब्बे बेपटरी हुए, उसके बाद 12 और डिब्बे पलट गए।

महिलाओं को ग्राहक समझने की भूल कर बैठा दुकानदार, सच पता चला तो उड़ गए होश; ऐसे पकड़ी गईं शातिर चोर

साड़ियां खरीदने के बहाने पांच महिलाएं दुकान पर आईं थीं। उनके पास एक बोरी भी थी। साड़ियां दिखाने के दौरान इन महिलाओं ने बोरी में साड़ी रखना शुरू कर दिया। दुकान से जाते समय दुकानदार को शक हो गया, जिसके बाद इनकी चोरी पकड़ी गई। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में साड़ी की दुकान पर ग्राहक बनकर आईं महिलाओं ने ऐसा कांड कर दिया कि दुकानदार के होश उड़ गए। वो पीछा करते हुए उनके पीछे-पीछे पहुंचा। उनके हाथ से बोरी छीनी और उसे खोलकर देखा तो हैरान रह गया। इस बोरी में तीन साड़ियां मिलीं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने सभी पांच महिलाओं को हिरासत में ले लिया है।कोतवाली नगर के प्रमुख बाजार बाबूगंज में साड़ी की दुकान पर पांच महिलाएं ग्राहक बनकर आईं थीं। इन महिलाओं ने कई साड़ियां देखीं। बाद में ये कहकर वहां से निकल गईं कि कोई भी साड़ी पसंद नहीं आई है। ये महिलाएं एक बोरी साथ में लाई थीं। दुकानदार को इन महिलाओं पर शक हुआ, तो उसने पीछा करना शुरू कर दिया। गेट पर उसने इन महिलाओं को रोक लिया। बोरी की तलाशी ली तो उसमें से तीन साड़ियां बरामद हुईं। पीड़ित की सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने इन महिलाओं को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

लापरवाही के कारण नहीं हटाया गया शासकीय बोर से कब्जा

क्यूँ न लिखूँ सच -अखिलेश तिवारी

रामपुर- पीएचई विभाग के,एसडीओ की घोर लापरवाही के कारण नहीं हटाया गया शासकीय बोर से कब्जा रीवा जिला के जवा जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत छतैनी से आ रही हैं, जहां भाजपा नेता अपने को कहलने वाले की शासकीय बोर पंप पर किया कब्जा तीन दिवस के अंदर अगर समरसेबल नहीं हटाया गया तो बलपूर्वक हटाया जाएगा नायक तहसीलदार जवा ने दिया आदेश थाकथित भाजपा नेता के द्वारा किए गए शासकीय बोर में अतिक्रमण को हटाने का निर्देश, दिए हैं जवा नायब तहसीलदार स्वत्ःआतिक्रमण ना छोड़ने पर बलपूर्वक हटाया जाएगा, 18 दिन भी बीत जाने के बाद भी नहीं है, नहीं हट पाया बोर से अवैध का कब्जा रीवा जिले की जवा तहसील के ग्राम पंचायत छतैनी निवासी भाजपा नेता दानपति द्विवेदी के द्वारा शासकीय बोर पर सर्मरशियल पंप डालकर स्वयं का उपयोग करने संबंधी शिकायत अंसरा निवासी केशव सिंह के साथ साथ ग्रामवासी द्वारा किया गया जांचों उपरांत आरोप सत्य पाया गया विद्वान नायब तहसीलदार वृत्त डभौरा राजकुमार टांडिया के द्वारा आदेश प्रसारित किया गया है कि सर्मरशियल पंप निकालकर हैंड पंप लगाया जाए ताकि ग्रामीणो को पानी की व्यवस्था हो सके अगर स्वयं का सर्मरशियल नहीं निकाला जाता तो बलपूर्वक हटाया जाएगा।, इस संबंध में समाजसेवी केशव सिंह जिला कलेक्टर से मिलकर शासकीय बोर से कब्जा मुक्त करने की मांग की है साथ ही क्या कहते हैं आप डायरेक्ट मीडिया के माध्यम से देख सकते हैं सुन सकते हैं इस संबंध में नायब तहसीलदार के निर्देश पर तीन दिवस के अंदर शासकीय बोर से कब्जा हटाने के लिए निर्देश दिए गए हैं अगर तीन दिवस के अंदर बोर से कब्जा नहीं हटाया गया तो बलपूर्वक हटाया जाएगा। ऐसा आदेश नायब तहसीलदार द्वारा किया गया था समय सीमा आदेश के अनुसार 2 तारीख को पूर्ण हो गई है, पीएचई विभाग एसडीओ कि लापरवाही के वजह से एसडीओ को लिखित रूप से पनवार थाने में, नल से अवैध बोर न हटाए जाने का आदेश न करने के कारण नहीं हटपया पया अवैध अतिक्रमण स्थाई लोगों पर काफी रोस हैं, स्थाई लोगों ने इस संबंध में, जिला कलेक्टर का ध्यान आकर्षित कराया हैं,

सूरजपुर पुलिस के परिवार परामर्श केन्द्र में 516 जोड़े एक साथ रहने हुए राजी

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री एम.आर.आहिरे (भा.पु.से.) के निर्देशन में जिले में संचालित 2 परिवार परामर्श केन्द्र की बैठक प्रत्येक दिवस आयोजित किया जा रहा है। परामर्श केन्द्र में घरेलू एवं आपसी पति-पत्नि के बीच विवाद के मामलों की सुनवाई संवेदनशीलता किया गया जिसमें 516 जोड़े एक साथ रहने को राजी हुए है। परामर्श देने वाली टीम लगातार ऐसे परिवारों जो कि टूटने के कगार पर पहुंच गए हैं उन्हें जोड़ने का काम कर रही है।अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो के मार्गदर्शन में परामर्श केन्द्र में हुए काउंसलिंग से वर्ष 2022 में 208, वर्ष 2023 में 199 एवं वर्ष 2024 में अब तक 109 कुल 516 बिछुड़े जोड़े के बीच सकारात्मक रूप से चर्चा कर काउंसलिंग कर आपसी समझौता कराया गया जो सभी जोड़े सुखी जीवन जीने के लिए राजी हुए। 503 मामले में दोनों पक्षों के उपस्थित नहीं होने अथवा समझौता की बात नहीं बनी। समझौता नहीं हो पाने के मामले में उन्हें न्यायालय जाने की सलाह दी गई। परिवार बिखरे न इसी उद्देश्य से डीआईजी/एसएसपी सूरजपुर के निर्देश पर जिले के परिवार परामर्श केन्द्र सूरजपुर व महिला पुलिस सहायता केन्द्र जरही के द्वारा प्रत्येक दिवस इस प्रकार की शिकायतों पर दोनों पक्षों के मध्य एक बेहतर एवं स्वच्छ वातावरण में काउंसिलिंग के माध्यम से समझाईश देकर पति-पत्नी के बीच आपसी समझौता लगातार कराया जा रहा है। काउंसलिंग में एसआई पुष्पा तिर्की, एएसआई नीलकुसूम, सामाजिक कार्यकर्ता जयश्री टेकाम, रंजना सिंह, अधिवक्ता विमला राजवाड़े, वालेंटियर विकास प्रजापति, नोविन राजवाड़े, प्रधान आरक्षक शिवेन्द्र परिहार, महिला आरक्षक तिर्कीरोश, आरक्षक राधाकृष्ण पैंकरा, तिलेश्वर सिंह, महिला नगर सैनिक सुशीला यादव व रानी कनेडिया सक्रिय रहे।

कैलिया पुलिस ने एक वारण्टी को पकड़ लिया

क्यूँ न लिखूँ सच -पवन कुमार

कोंच(जालौन) कोंच सर्किल थाना कैलिया के स्टेशन अफसर राजीव कुमार वेस के निर्देश पर उनकी पुलिस टीम द्वारा एक वारण्टी अभियुक्त राजेश उर्फ जितेंद्र पुत्र कथुले निवासी ग्राम बसोबई थाना समथर जनपद झांसी को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की गयी है

डीआईजी/एसएसपी सूरजपुर ने ली जिले के महिला पुलिस अधिकारियों की बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री एम.आर.आहिरे (भा.पु.से.) के द्वारा अपने कार्यालय में मंगलवार, 16 जुलाई को एक महत्वपूर्ण बैठक की गई है। इस बैठक में एएसपी संतोष महतो, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, जिले के महिला पुलिस अधिकारी शामिल हुए। इस दौरान महिला विवेचकों को नवीन कानून के प्रावधानों एवं महिला संबंधी अपराध की विवेचना की बारीकीयों एवं महिला सुरक्षा को लेकर कार्य करने के निर्देश दिए गए। बैठक में डीआईजी/एसएसपी सूरजपुर श्री एम.आर.आहिरे ने महिला विवेचकों को कहा कि पुलिस का मुख्य कर्तव्य अपराध की रोकथाम और कानून व्यवस्था को बनाए रखना है इस कसौटी पर खरा उतरने सभी तत्परता से कार्य करें, जिले में महिलाओं को सुरक्षित माहौल उपलब्ध करवाना भी पुलिस की प्राथमिकता है। महिलाओं में सुरक्षा की भावना पैदा करने के लिए जिला पुलिस हर समय तत्पर रहती है। जिससे महिलाएं अपने आपको कार्य स्थलों, शैक्षणिक संस्थानों, सार्वजनिक परिवहन में पूरी तरह से सुरक्षित महसूस कर यात्रा कर सकें। उन्होंने कहा कि पुलिस का उद्देश्य महिलाओं, छात्राओं में सुरक्षा की भावना को बढ़ाना और उनके परिवार की चिंता को कम करना है इसके लिए संवेदनशील होकर कार्य करें। महिला संबंधी अपराधों की विवेचना में पूर्ण सावधानी बरतने के निर्देश दिए। महिलाओं की शिकायतों को संवेदनशीलता और सहानुभूति के साथ सुनने, शिकायतों की गोपनीयता बनाए रखने और पीड़िता की पहचान को सुरक्षित रखने, शिकायतों पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने, पदस्थापना वाले क्षेत्र में निरंतर जागरूकता अभियान चलाने ताकि ज्यादा से ज्यादा महिलाओं एवं बच्चों को नवीन कानूनों के बारे में जानकारी मिल सके साथ ही वर्तमान दौर में आमजन ठगी का शिकार न हो उसके उपाए से अवगत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सामुदायिक पुलिसिंग से अवगत कराते हुए कहा कि यह कार्य नागरिकों एवं पुलिस के संबंधों को बढ़ावा देता है, क्षेत्र में नियमित रूप से इसके आयोजन करें, वह्द रूप से जनसम्पर्क बनाने जिसमें खासकर महिलाए हो, अपराध की रोकथाम और आत्म सुरक्षा के तरीकों की जानकारी से महिलाओं को अवगत कराने तथा स्कूल, कालेजों के आसपास स्कूल लगने एवं छूटने के दौरान पेट्रोलिंग करने के निर्देश दिए। बैठक में थाना प्रभारी प्रेमनगर निलिमा तिर्की सहित विभिन्न थाना-चौकी में पदस्थ महिला विवेचकगण मौजूद रहे।

शराब पीने से मना करना पड़ा भारी पति ने फांसी लगा कार की आत्महत्या

क्यूँ न लिखूँ सच -रवि शंकर

अलीगढ़ बरला- के गांव उतरा में एक पत्नी द्वारा पति से शराब से मना करना भारी पड़ गया। पति इससे आगबबूला होकर फांसी लगाने पर अड़ गया पत्नी में काफी हुआ झगड़ा झगड़ा होने के बाद पंखे पर लटक कर की आत्महत्या गांव उतरा निवासी युवती ने बताया है कि उसकी करीब बीते 4 वर्ष पहले शादी हुई है। पति शराब पीने का शौकीन है।उसकी पत्नी ने काफी समझाया है लेकिन वह सुनने को तैयार नहीं था जब उसने उससे शराब पीने से मना किया तो वह आपे से बाहर होकर फांसी लगाने लगा लेकिन उसने सूझबूझ से फांसी लगाई शान मोहम्मद पिता का नाम अनीश खांन तीन भाइयों में सबसे छोटा था 6 माह की प्रेग्नेंट भी बताई जा रही है पत्नी परिवार जनों गांव में गमगीन का महोल्ला है सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम को मोर्चरी भेजी है सूचना पर पहुंचे पुलिस ने मृतकरुक सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक की बॉडी को मर्चरी भेजा है

कहीं भी पत्रकार का उत्पीड़न नहीं होगा बर्दास्त - सुखबीर शर्मा

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़। ग्रामीण पत्रकार यूनियन जनपद अलीगढ की मासिक बैठक का आयोजन हुआ। जिसमें थानों पर हो रहे पत्रकार उत्पीड़न की घटनाओं पर प्रकाश डाला। जिला अध्यक्ष ने कहा कि किसी भी हाल में थानों में पत्रकारों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संगठन पत्रकारों के साथ हर संभव मदद के लिए खड़ा है। अलीगढ़ शहर स्थित पूर्व मंत्री व विधायक ठा. दलबीर सिंह के कैंप कार्यालय पर ग्रामीण पत्रकार यूनियन के पत्रकारों की मासिक बैठक का आयोजन किया गया । जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सुखबीर शर्मा ने की बैठक में उपस्थित समस्त पत्रकारों ने अपनी-अपने विचार व्यक्त किये। वहीं बैठक का सफल संचालन वरिष्ठ पत्रकार गौरी शंकर शर्मा ने किया गया। बैठक में पत्रकार उत्पीड़न का मामला छाया रहा। वहीं बैठक में उपस्थित पत्रकारों ने थाने स्तरों पर हो रही पत्रकार उत्पीड़न की मामलों को बैठक में शासन तक पहुंचाने का जिलाध्यक्ष से अनुरोध किया। बैठक में उपस्थित जिला अध्यक्ष सुखबीर शर्मा ने कहा कि जनपद के किसी भी थाने में पत्रकारों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, इसके लिए यूनियन समस्या के निराकरण के लिए शासन प्रशासन से टकराने से भी पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने कहा कि सर्वप्रथम जिला स्तर के अधिकारियों से संवाद स्थापित कर समस्या का निराकरण कराया जा रहे है अन्यथा जब समस्या का निराकरण नहीं होगा तो शासन को पत्र भेजे जाएंगे। बैठक में उपस्थित जिला अध्यक्ष ने अपने संगठन को और गतिशील करने की विषय पर प्रकाश डाला। बैठक में, राकेश गौतम, अमित शर्मा,पंकज शर्मा,बहादुर सिंह, जीतेन्द्र शर्मा, उमेश कुमार वर्मन, अनार सिंह, लवकुश ठाकुर वीआईपी, सुधाकर उपाध्याय, आशीष शर्मा, सत्यम शर्मा, आकाश शर्मा, सुमित ठाकुर, डॉली शर्मा, धर्मेश शर्मा, उपवेन्द्र कुमार, प्रिंस कुमार, आनंद यादव कोमल सिंह, आदि के अलावा करीव आठ दर्जन में पत्रकार मौजूद रहे।

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना,क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 927776991

संक्षिप्त समाचार

एसडीओ साहब मेरे मोहल्ले के जीर्ण शीर्ण तार बदलवा दो, सभासद विक्की दुबे और विनोद सोनी ने ज्ञापन दिया

क्यूँ न लिखूँ सच -राजेंद्र विश्वकर्मा

कोंच(जालौन) आज गुरुवार को नगर पालिका परिषद कोंच के मोहल्ला सुभाष नगर के सभासद वेद प्रकाश दुबे विक्की और गाँधी नगर के सभासद विनोद सोनी की अगुवाई मे एसडीओ अनिरुद्ध कुमार मौर्य को एक ज्ञापन देकर समस्या बतलाई दिये गये ज्ञापन मे अवगत कराया गया है की मोहल्ला सुभाष नगर और गाँधी नगर मस्जिद वाली गली चन्द्र कुआ के पास विजली की जीर्ण शीर्ण लाइन है और बुरी अवस्था मे है इस लाइन आये दिन टूटती रहती है जिससे अप्रिय घटना घटित होने की आशंका बनी रहती है कई बार विभाग को इस सम्बन्ध मे अवगत भी कराया गया लेकिन अभी तक यह लाइन नही बदली गई यदि यह लाइन टूटने से कोई अप्रिय घटना होती है तो इसके लिये विभाग दोषी होगा उन्होंने एसडीओ अनिरुद्ध कुमार मौर्य से जनहित मे जल्द यह लाइन बदलवा कर बन्च लाइन डलवाने की मांग की है इस अवसर पर सभासद प्रतिनिधि लकी दुबे शरद पहारिया राजा तिवारी राधेश्याम तिवारी आत्मा राम अंचल गोस्वामी अशोक दुबे दीपु सेंगर निलेश कुमार चन्द्र प्रकाश अंकित दुबे विषम्भर झा सहित कई लोग मौजूद रहे

लिव इन रिलेशन: पति को छोड़ मुस्लिम युवक के साथ रहने लगी विवाहिता, जबरन मीठ खिलाया, पुलिस से शिकायत...अब आगे

पति का घर छोड़कर दूसरे समुदाय के युवक के साथ विवाहिता के रहने की जानकारी मिलने पर हिंदूवादी संगठनों ने थाने पर हंगामा किया किया। विवाहिता ने आरोप लगाया कि युवक उसे जबरन मीठ खिला रहा है। पुलिस ने दोनों को कोर्ट में पेश किया। पति का घर छोड़ कर दूसरे समुदाय के युवक के साथ लिव इन में रह रही मेरठ की युवती को पुलिस ने बुधवार को उसकी सुपुर्दगी में दे दिया। लिव इन पार्टनर ने कोर्ट के आदेशानुसार इस संबंध में हलफनामा भी जमा किया है।मेरठ की रहने वाली शादीशुदा युवती बीते कई माह से कस्बा निवासी शौकीन के साथ लिव इन रिलेशन में रह रही थी। युवती ने 10 दिन पहले थाने में लिव इन पार्टनर के खिलाफ जबरन मीट खिलाने व मारपीट की शिकायत की थी।हिंदू युवती को मुस्लिम युवक द्वारा लिव इन रिलेशन में रखने की जानकारी मिलने पर हिंदूवादी संगठनों ने थाने पर हंगामा किया था। एक हफ्ता पहले युवती के पिता ने भी शौकीन के खिलाफ जबरन बंधक बनाने व बगैर शादी के रखने का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने युवती को बरामद कर सोमवार को अदालत में पेश कर मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान कराए थे।

युवती ने अपने लिव इन पार्टनर के साथ ही रहने की इच्छा जताई थी। कोर्ट ने पुलिस को सुपुर्दगी में लेने वाले से हलफनामा जमा कराने के आदेश दिए थे। सीओ श्वेताभ भास्कर ने बताया कि कोर्ट के आदेश का अनुपालन करते हुए बुधवार को युवती को उसके लिव इन पार्टनर की सुपुर्दगी में दे दिया गया। लिव इन पार्टनर को हलफनामा भी कोर्ट में जमा करा दिया गया है। दूसरे समुदाय की किशोरी को ले गया हापुड़ का युवक- गजरौला में मामा के घर रह रहा हापुड़ जिले का युवक दूसरे समुदाय की किशोरी को बहला फुसला कर अपहरण कर ले गया। किशोरी के पिता का आरोप है कि बेटी सोने-चांदी के आभूषण और 60 हजार रुपये की नकदी चोरी कर ले गए। पुलिस ने आरोपी, उसके दो मामा और भाई-बहन सहित पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। मामला थाना क्षेत्र के एक गांव का है। यहां निवासी ग्रामीण का कहना है कि हापुड़ जिले के सिंभावली थाना क्षेत्र के गांव सरूरपुर निवासी युवक मोहित सैनी की उसके गांव में ननिहाल है। युवक अपने मामा सूरज व सर्वेश के यहां रहता था। कई दिन पूर्व युवक उसकी 17 वर्षीय बेटी को बहला फुसला कर ले गया। उसकी बेटी सोने-चांदी के आभूषण व 60 हजार रुपये की नकदी ले गई। उसकी बेटी को ले जाने में आरोपी युवक के दोनों मामा, सुलेंद्र व उसकी बहन रीना ने सहयोग किया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मामला अलग-अलग समुदाय का होने के कारण गांव में तनाव की स्थिति है। सीओ श्वेताभ भास्कर का कहना है कि किशोरी को बरामद करने के लिए दबिश दी जा रही है।

नीट पेपर लीक में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई; CJI बोले- लाखों छात्र फैसले का कर रहे इंतजार

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ 40 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है।विवादों में घिरी राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा स्नातक (नीट-यूजी) से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट आज सुनवाई कर रहा है। इनमें राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा स्थानांतरण की मांग करने वाली याचिकाएं भी शामिल हैं। मुकदमेबाजी की बहुलता से बचने के लिए एनईईटी-यूजी विवाद पर विभिन्न उच्च न्यायालयों में इसके खिलाफ लंबित मामले शीर्ष अदालत में लंबित हैं। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ 40 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। पांच मई को हुई परीक्षा में करीब 24 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे।लाखों छात्र कर रहे इंतजार- सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुनवाई शुरू होने पर कहा कि नीट मामले को शुक्रवार को सुना जा सकता है। जिस पर सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि सुनवाई आज ही शुरू करते हैं। हम नीट मामले पर सबसे पहले सुनवाई करेंगे, क्योंकि लाखों छात्र फैसले का इंतजार कर रहे हैं। सीबीआई ने की दूसरी स्टेट्स रिपोर्ट दाखिल- वहीं, सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया गया है कि सीबीआई ने कथित नीट-यूजी पेपर लीक और कदाचार की चल रही जांच के संबंध में दूसरी स्टेटस रिपोर्ट दाखिल की है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, सीबीआई ने इस मामले में कल एक और स्टेट्स रिपोर्ट दाखिल की है। जिस पर सीजेआई ने कहा, हां हमने दूसरी स्टेट्स रिपोर्ट भी पढ़ी है। रिपोर्ट सामने आने पर जांच होगी प्रभावित- अदालत- याचिकाकर्ता की तरफ से पेश वकील नरेंद्र हुड्डा ने कहा कि हमें सीबीआई की स्टेटस रिपोर्ट नहीं दी गई है। इस पर अदालत ने कहा, %हालांकि हम पारदर्शिता की वकालत करते हैं। मगर सीबीआई जांच चल रही है। अगर सीबीआई ने हमें जो बताया है उसका खुलासा होता है, तो यह जांच को प्रभावित करेगा।% हमें संतुष्ट करें कि पेपर लीक बड़े पैमाने पर हुआ- सीजेआई ने याचिकाकर्ता से कहा कि आप हमें संतुष्ट करिए कि पेपर लीक बड़े पैमाने पर हुआ और परीक्षा रद्द होनी चाहिए। दूसरी इस मामले में जांच की दिशा क्या होना चाहिए वो भी हमें बताएं। उसके बाद हम सॉलिसिटर जनरल को सुनेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से यह भी कहा कि अगर आप हमारे सामने यह साबित कर देते हैं कि बड़े पैमाने पर गड़बड़ी हुई तभी दोबारा परीक्षा कराने का आदेश दिया जा सकता है। सीजेआई और याचिकाकर्ता के बीच हुए सवाल-जवाब- याचिकाकर्ता छात्रों के वकील ने कहा कि कुछ ऐसे छात्र भी आए हैं, जिनकी रैंक एक लाख आठ हजार छात्रों के बीच है, लेकिन उनको सरकारी कॉलेज नहीं मिला। वहीं, एनटीए ने सभी लोगों का रिजल्ट घोषित नहीं किया है, जबकि दूसरी परीक्षाओं में पूरे रिजल्ट घोषित होते है। इस पर सीजेआई चंद्रचूड़ ने पूछा कि सरकारी कॉलेजों में कितनी सीटें हैं? वकील ने कहा कि 56 हजार सीटें। कम से कम एक लाख का रिजल्ट घोषित हों। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि क्या आपके हिसाब से कुछ लोग एक लाख आठ हजार के केटेगरी में आ गए है? आप (याचिकाकर्ता) पहले तथ्यों पर बात करें। एक लाख आठ हजार में से कितने याचिकाकर्ता है और कितने छात्र सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। कितने छात्र दोबारा नीट परीक्षा की मांग कर रहे?- अदालत ने कहा कि 131 छात्र दोबारा परीक्षा चाहते है। 254 छात्र दोबारा परीक्षा के खिलाफ है। दोबारा परीक्षा चाहने वाले 131 छात्र ऐसे हैं, जो एक लाख आठ हजार के अंदर नहीं आते और दोबारा परीक्षा का विरोध करने वाले 254 छात्र एक लाख आठ हजार के अंदर आते हैं। अगर 1 लाख 8 हजार लोगों को एडमिशन मिलता है, बाकी 22 लाख लोगों को दाखिला नहीं मिलता तो इसका मतलब ये तो नहीं कि पूरी परीक्षा को रद्द कर दिया जाए? सीजेआई ने आगे कहा कि सबसे कम अंक पाने वाले याचिकाकर्ता छात्र के मार्क्स कितने हैं? इस पर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि कुल 34 याचिकाएं है, जिनमें चार याचिकाएं एनटीए की है। पीठ ने आगे कहा कि 38 में छह ट्रांसफर याचिकाएं शामिल हैं। इस पर एनटीए की ओर से पेश वकील ने कहा कि हां 32 व्यक्तिगत याचिकाएं हैं। अदालत ने कहा कि लंच के दौरान हमें बताएं कि कितने छात्रों ने कोर्ट का रुख किया है। जस्टिस पारदीवाला ने पूछा कि परीक्षा की मांग करने वाले याचिकाकर्ता क्या एक लाख आठ हजार के अंतर्गत हैं? सीजेआई ने कहा कि नहीं, नहीं ऐसा नहीं हो सकता, यह बाहर हैं।

नीट परीक्षा को लेकर आईआईटी मद्रास का जिक्र?- आईआईटी मद्रास की रिपोर्ट को एनटीए ने सुप्रीम कोर्ट में दायर अपने हलफनामे में दर्ज किया था। रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला था कि परीक्षा के परिणामों में असामान्यता का कोई संकेत नहीं था। रिपोर्ट में कहा गया है, न तो किसी गड़बड़ी का संकेत था और न ही उम्मीदवारों के एक स्थानीय समूह को लाभान्वित किया जा रहा था, जिससे असामान्य अंक आए हैं। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट में बात हुई है। टॉपर्स को लेकर क्या बोले सीजेआई- सीजेआई ने कहा कि टॉप 100 छात्र में से आंध्र प्रदेश के सात, बिहार के सात, गुजरात के सात, हरियाणा के चार, दिल्ली के तीन, कर्नाटक के 6, केरल के 5, महाराष्ट्र के 5, तमिलनाडु के 8, उत्तर प्रदेश को 6, पश्चिम बंगाल के 5 टॉपर्स हैं। ऐसा लग रहा है कि टॉपर्स पूरे देश में फैले हुए हैं। सीजेआई ने आगे पूछा कि कितने छात्रों ने अपने परीक्षा केंद्र बदले और इनमें से कितने छात्र शीर्ष 100 में थे? याचिकाकर्ता ने गिनाई एनटीए की गलतियां- याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि एनटीए और सरकार अंकों में तेजी से हुई वृद्धि के लिए दो कारण बता रहे हैं। पहला पाठ्यक्रम में कमी और दूसरा उम्मीदवारों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि। 17 जुलाई को दायर की गई नई याचिका में छात्रों ने आरोप लगाया कि एनटीए का दावा है कि 25 प्रतिशत सिलेबस में कटौती की गई है, लेकिन एनटीए ने यह उल्लेख नहीं किया कि नया सिलेबस भी जोड़ा गया है। याचिका में कहा गया है, जो नया सिलेबस जोड़ा गया वह कक्षा 11वीं और 12वीं के प्रैक्टिकल हिस्से से था। जोड़ा गया हिस्सा परीक्षा से ठीक 6 महीने पहले अक्टूबर 2024 को सूचित किया गया था और छात्रों के पास अन्य सिलेबस के विपरीत अध्ययन के लिए कम समय था जिसके लिए उन्हें दो साल मिले थे।% याचिकाकर्ता के वकील नरेंद्र हुड्डा ने कहा कि, सिलेबस में बढ़ोतरी का कोई जिक्र नहीं है। सिलेबस में बढ़ोतरी और कमी दोनों हैं। वे सिलेबस में बढ़ोतरी के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। मैं बढ़ा हुआ हिस्सा दिखा सकता हूं। मिलीभगत के तार देश भर में फैले थे- सीजेआई- एनटीए ने कहा कि देश भर के टॉप 100 छात्रों का एनालिसिस हुआ है, टॉपर्स अलग-अलग सेंटर के हैं। इस पर याचिकाकर्ता ने कहा कि पायथन सॉफ्टवेयर पेपर लीक की गड़बड़ी नहीं पकड़ सकता, क्योंकि आईआईटी ने एनालिसिस के लिए बेसिक नंबर 23 लाख रखा है, जबकि सांख्यिकीय तौर पर इसे 1 लाख 8 हजार रखना चाहिए था। आंकड़ा जानबूझ कर बढ़ाया गया क्योंकि इतने बड़े आंकड़े में गलती नहीं पकड़ी जा सकती है। पूरे देश को एसबीआई से पेपर दिया गया, लेकिन हरदयाल स्कूल में केनरा बैंक से पेपर दिया गया। प्रिंसिपल का कहना है कि निर्देश था कि छात्रों को केनरा बैंक का पेपर करने दिया जाए। उन्होंने स्कूल में सभी को ग्रेस मार्क्स दिए। इस अतिरिक्त मार्क्स की वजह से 6 लोगों को 720/720 मिले, उसी सेंटर के दो लोगों को 718 नंबर मिले हैं। CJI ने टॉप 100 की सूची पढ़ी। इसी बीच सीजेआई ने कहा कि इससे पता चलता है कि ये मिलीभगत के तार देश भर में फैले थे। 12 राज्यों व एक केंद्र शासित प्रदेश में। सीलबंद बक्सा प्रिंसिपल को दिया- याचिकाकर्ताओं के वकील का कहना है कि एक बक्सा को खुले ई-रिक्शा पर रखकर हजारीबाग के ओएसिस स्कूल ले जाया गया, जहां स्कूल के प्रिंसिपल ने यह बक्सा लिया। सीलबंद बक्सा उन्हें दिया गया, किसी बैंक को नहीं। एनटीए द्वारा नीट-यूजी परीक्षा आयोजित करने में व्यवस्थागत विफलता है, यह विफलता बहुआयामी है। वकील ने आगे कहा कि प्रश्नपत्रों के परिवहन में तब समझौता हुआ जब छह दिनों तक पेपर एक निजी कूरियर कंपनी के हाथों में थे और पेपर को हजारीबाग में ई-रिक्शा में ले जाया जा रहा था। बैंक ले जाने के बजाय ड्राइवर इसे ओएसिस स्कूल ले गया। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि किसी के ऐसा करने का उद्देश्य नीट परीक्षा को राष्ट्रीय स्तर पर तमाशा बनाना नहीं है। लोग पैसे के लिए ऐसा कर रहे थे। इसलिए, यह परीक्षा को बदनाम करने के लिए नहीं था और कोई व्यक्ति पैसे कमाने के लिए ऐसा कर रहा था, जो अब स्पष्ट है। पेपर के बड़े पैमाने पर लीक होने के लिए उस स्तर पर संपर्कों की भी आवश्यकता होती है ताकि आप विभिन्न शहरों आदि में ऐसे सभी प्रमुख संपर्कों से जुड़ सकें। जो कोई भी इससे पैसा कमा रहा है, वह इसे बड़े पैमाने पर प्रसारित नहीं करेगा। सीजेआई ने कहा कि आपके अनुसार छात्रों को सुबह 10.15 बजे पेपर बांटे गए। इसमें 180 प्रश्न थे। क्या ऐसा हो सकता है कि सुबह 9.30 से 10.15 बजे के बीच पेपर के सभी सवाल हल कर लिए गए हों? इसके बाद अगले 45 मिनट में छात्रों को यह जवाब बांट दिए गए। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि कुल 7 पेपर सॉल्वर थे और हर सॉल्वर को 25-25 प्रश्न दिए गए थे। सीजेआई ने कहा कि 45 मिनट के अंदर सारी गड़बड़ी को अंजाम दिया गया। पूरा पेपर हल करके छात्रों को दे दिया गया। यह बहुत दूर की कौड़ी लगती है।

सियासी बहस: मुजफ्फरनगर में ढाबों पर नाम लिखने पर छिड़ी जुबानी जंग, ओवैसी के बाद अखिलेश और जावेद अख्तर का तंज

कांवड़ यात्रा के दौरान हरिद्वार से आते समय दिल्ली-देहरादून हाईवे पर काफी होटल व ढाबे हैं। इनमें दूसरे समुदाय के ढाबे व होटल भी हैं। वहीं मुजफ्फरनगर के एसएसपी ने इन ढाबा संचालकों को नाम पट्टी अंकित करने के निर्देश दिए हैं।कांवड़ यात्रा को लेकर मुजफ्फरनगर के एसएसपी ने कांवड़ यात्रा वाले मार्ग पर स्थित ठेले वालों, ढाबों और होटलों पर प्रोपराइटर व संचालकों के नाम लिखने के आदेश दिए हैं। पुलिस ने हाईवे व नगर में आदेशों का पालन कराना भी शुरू कर दिया है। वहीं इस मामले ने तूल पकड़ लिया और इस पर सियासी बहस शुरू हो गई है। इसे लेकर एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदउद्दीन ओवैसी ने एक्स पर पोस्ट कर पलटवार किया है तो सपा मुखिया अखिलेश यादव और गीतकार जावेद अख्तर ने भी एक्स पर पोस्ट करते हुए टिप्णी की है।कांवड़ यात्रा के दौरान मुजफ्फरनगर के एसएसपी अभिषेक सिंह ने कांवड़ यात्रा की तैयारी के मद्देनजर बयान दिया था कि हाईवे के होटलों, ढाबों व ठेलों पर संचालकों के नाम लिखे जाएं। इसके बाद शहर में फल बचने वाले कुछ ठेला संचालकों ने ठेलों पर नाम वाले पोस्टर चस्पा किए थे। इस पर एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने पलटवार करते हुए अभिषेक सिंह के बयान पर तलख टिप्पणी की है। असदुद्दीन ओवैसी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि उत्तर प्रदेश पुलिस के आदेश के अनुसार अब हर खाने वाली दुकान या ठेले के मालिक को अपना नाम बोर्ड पर लगाना होगा, ताकि कोई कांवड़िया गलती से मुसलमान की दुकान से कुछ न खरीद ले। इसे दक्षिण अफ्रीका में अपारथाइड कहा जाता था और हिटलर की जर्मनी में इसका नाम जुडेनबोयकोट था।सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भी एक्स पर की पोस्ट- सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुजफ्फरनगर पुलिस द्वारा जारी किए गए आदेश को सामाजिक अपराध बताया है। उन्होंने कहा कि कोर्ट को ऐसे मामलों का स्वतः संज्ञान लेना चाहिए और जांच करवाकर दंडात्मक कार्रवाई करनी चाहिए। मुजफ्फरनगर पुलिस ने कांवड़ यात्रा को लेकर जारी किए गए फरमान में कहा है कि सभी दुकानदार दुकान के बाहर अपना नाम जरूर लिखें। अखिलेश यादव ने कहा कि ऐसे आदेश सौहार्द के शांतिपूर्ण वातावरण को बिगाड़ना चाहते हैं। उन्होंने सोशल साइट एक्स पर कहा कि ज्और जिसका नाम गुड्डु, मुन्ना, छोटू या फत्ते है, उसके नाम से क्या पता चलेगा? माननीय न्यायालय स्वतः संज्ञान ले और ऐसे प्रशासन के पीछे के शासन तक की मंशा की जांच करवाकर, उचित दंडात्मक कार्रवाई करे। ऐसे आदेश सामाजिक अपराध हैं, जो सौहार्द के शांतिपूर्ण वातावरण को बिगाड़ना चाहते हैं।वहीं इस मामले को लेकर गीतकार जावेद अख्तर भी कूद गए हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि मुजफ्फरनगर यूपी पुलिस ने निर्देश दिया है कि निकट भविष्य में एक विशेष धार्मिक कार्यक्रम के मार्ग पर सभी दुकानों, रेस्टॉरेंट्स और यहां तक कि वाहनों पर मालिक का नाम प्रमुखता से और स्पष्ट रूप से लिखा जाना चाहिए। क्यों? नाजी जर्मनी में वे केवल विशेष दुकानों और घरों पर ही निशान बनाते थे। 240 किमी है कांवड़ यात्रा का मार्ग- जनपद की सीमा पुरकाजी के गांव भूराहेड़ी चेकपोस्ट से खतौली के भंगेला व बुढ़ाना, फुगाना, तितावी थानों की सीमा तक जिले में कांवड़ यात्रा का मार्ग 240 किमी है। हरिद्वार से आते समय हाईवे पर काफी होटल व ढाबे हैं। इनमें दूसरे समुदाय के लोगों के भी ढाबे व होटल हैं, जिन पर प्रोपराइटर व उनके संचालकों के नाम लिखे हुए नहीं थे। इससे वहां कांवड़ियों के रुकने की संभावना बन रही थी। इसी के चलते एसएसपी अभिषेक सिंह ने आदेश जारी किए है कि सभी होटल व ढाबों पर प्रोपराइटर व संचालकों के नाम अवश्य लिखे जाएं ताकि कोई भ्रम न बन सके।शुरू कराई गई कार्रवाई, पोस्टर भी कराए चस्पा- एसएसपी के आदेश पर नई मंडी, छपार व पुरकाजी, मंसूरपुर व खतौली आदि थानों की पुलिस ने कार्रवाई शुरू करा दी। शहर में भी मीनाक्षी चौक के पास फल बेचने वाले लोगों के ठेलों पर नाम वाले पोस्टर चस्पा करा दिए हैं। शिव चौक पर कंटीले तारों से की गई बेरिकेडिंग- कांवड़ यात्रा को देखते हुए पुलिस ने इस बार शिव चौक पर कंटीले तार लगाए हैं। सीओ व्योम बिंदल का कहना है कि एहतियात के तौर पर यह व्यवस्था की गई है। शहर में मुहर्रम के अधिकतर जुलूस शिव चौक से ही गुजरते हैं। पुलिस ने इस बार मुहर्रम के लिए यहां कंटीले तारों की बेरिकेडिंग लगा दी गई। बुधवार को यहां से बड़ा जुलूस भी गुजरा। ऐसे में पुलिस एहतियात बरतते हुए कांवड़ यात्रा के दौरान भी सतर्कता बरतने की बात कही है।

संक्षिप्त समाचार

अखिलेश यादव का बड़ा ऑफर... सौ विधायक लाओ, सरकार बनाओ! केशव मौर्य से जोड़कर देखा जा रहा बयान

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर की गई एक पोस्ट ने हलचल मचा दी है। उन्होंने ऑफर दिया है कि 100 विधायक लेकर आओ... मुख्यमंत्री बनने के लिए सपा समर्थन देगी।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा में राजनीतिक चर्चाओं के बीच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक पर कहा है कि मानसून ऑफर है-100 लाओ और सरकार बनाओ। राजनीतिक सूत्रों के अनुसार, अगर भाजपा में कोई भी नेता 100 विधायकों का समर्थन जुटा लेता है तो सपा मुख्यमंत्री पद के लिए उसे समर्थन दे सकती है। इसे उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से जोड़कर देखा जा रहा है।इसके साथ ही तरह-तरह की राजनीतिक चर्चाओं के बीच दिल्ली से केशव के लखनऊ लौटने पर अखिलेश ने कटाक्ष भी किया है- लौट के बुद्धू घर को आए। यहां बता दें कि केशव प्रसाद मौर्य ने भी बुधवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर एक्स के जरिये हमला बोलते हुए उन्हें सपा बहादुर की संज्ञा देते हुए कहा था कि यूपी और केंद्र दोनों ही जगह मजबूत सरकार है। 2017 की तरह 2027 में भी हम यूपी में सरकार बनाएंगे। उन्होंने सपा के पीडीए को धोखा करार दिया था।

लापता नौकर का शव खेत में मिलने से हडकंप

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। चौसाना के गांव ऊदपुर में बुधवार की शाम से लापता नौकर का शव खेत में पानी से भरे नाले में बरामद हुआ है। अपर पुलिस अधीक्षक ने फोरेंसिक टीम के साथ पहुंचकर घटना का जायजा लिया। चौसाना चौकी क्षेत्र के गांव उदपुर में आनंद पुत्र रामफल के यहां पिछले 3 साल से एक नौकर कालू (29) रहता था जो बिना किसी रुपये के ही रहता था। कुछ समय पहले कालू शाम के समय आनंद के घर पहुंचा था और खाना मांगने लगा। आनंद ने उसे खाना खिलाया था जिसके बाद से कालू आनंद के पास ही रहने लगा था। बुधवार शाम को 5 बजे के बाद कालू चाय पीकर घर से निकला था जिसके बाद देर रात तक भी नहीं लौटा था। आनंद का कहना है कि जब वह अपने कमरे में नहीं मिला तो हमें लगा कि ?कोई किसान उनके नौकर को रुपयों का लालच देकर बहलाकर ले गया है। गुरुवार सुबह को जब हम खेत में काम करने के लिए पहुंचे तो वहां खेत में पानी चलाने वाली नाली में कालू को पड़ा देखा लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

बारण्टी को पुलिस ने घर से गिरफ्तार किया

क्यूँ न लिखूँ सच -राजेंद्र विश्वकर्मा

कोंच(जालौन) कोंच सर्किल के थाना नदीगांव के एस ओ अशोक कुमार वर्मा के निर्देश पर उनकी पुलिस टीम द्वारा एक बारण्टी श्याम बिहारी सकेरे पुत्र राम गोपाल निवासी ग्राम दीवान का कुआँ कस्बा व थाना नदीगांव को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की गयी है

अनलॉक करते समय चली गोली, सिर में लगने से एसओजी सिपाही की मौत, दरोगा घायल

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ गोकशी के आरोपियों की तलाश में थाना गांधीपार्क, गभाना एवं एसओजी की संयुक्त टीम गभाना में दबिश देने गई थी। वहां उप निरीक्षक मजहर हसन की पिस्टल फंस गई, जिसे दूसरे उप निरीक्षक राजीव कुमार ने अनलॉक करने का प्रयास किया। तभी पिस्टल से चली गोली एसओजी हेड कांस्टेबल याकूब के सिर में जा लगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोकशी के आरोपियों की तलाश में थाना गांधीपार्क, गभाना एवं एसओजी की संयुक्त टीम गभाना में दबिश देने गई थी। वहां पर उप निरीक्षक मजहर हसन की पिस्टल फंस गई, जिसे दूसरे उप निरीक्षक राजीव कुमार ने अनलॉक करने का प्रयास किया।

If you fall ill with the change of season, is this the reason? Know the ways to prevent it

Many people start falling ill as soon as the season changes. Although this is a common problem, but sometimes it takes a serious turn. Change in the weather is a gift of nature. But many people are unable to bear this change and fall ill. A few days ago, we were all struggling with the scorching heat and now with the arrival of monsoon, we are facing sometimes cold and sometimes heat and humidity. This has a negative impact on our health, especially on children and the elderly. At the same time, being careless mainly causes cold, cough, fever, stomach ache and skin allergies in every season. In such a situation, to avoid diseases, you have to be prepared in advance, so that you can enjoy the season to the fullest. Know the reason- If you are getting sick as soon as the season changes or this is happening with any other member of the family, then it means that your immune system is weak. Due to this weak immune system, external infections are repeatedly attacking your body, due to which you fall ill as soon as there is a slight change in the environment. A weak immune system can increase the risk of flu, infection and dehydration in your body. Prevention of infection- When the weather changes, the risk of infection increases the most. Now that the monsoon has arrived, the risk of bacterial infection, fungal infection, protozoa diseases, such as bronchitis, typhoid or flu, malaria can also increase. Therefore, in case of any kind of bacterial infection, definitely consult a doctor. Attention to cleanliness- Whatever the season, cleanliness is always important. In the rainy season, the root of most diseases is dirt, because at this time dirt and mud is spread all around. Therefore, it is important to keep your surroundings clean. Do not forget to wash your hands before and after eating anything. Do not let water accumulate around the house. Wash vegetables and fruits thoroughly. Use insecticides in house cleaning and do not let mosquitoes breed.Nutritious diet- Follow a good diet to strengthen your immunity. Do not eat stale food, avoid fried food, eat two fresh fruits a day and consume more green vegetables and pulses. Keep yourself hydrated. Do not think that summer is over now. If possible, drink milk with turmeric once a day or drink boiled water. This strengthens immunity and keeps you away from diseases.Turmeric, basil and ginger in food- Dr. Avinash Kumar, Senior Physician, Deep Chand Bandhu Hospital, Delhi, says that changing weather affects children and the elderly the most, so it is important to take special care of them. In this season, iron your clothes before wearing them. By doing this, the germs on the clothes are destroyed. Also, avoid eating too cold food, avoid eating outside food, consume more liquids, so that the body remains hydrated and focus on strengthening immunity. During the rainy season, use turmeric, basil and ginger in your food. These act as antibiotics and keep the immune system healthy. Wear a mask when going out and rinse your mouth with lukewarm salt water twice a day. By doing this, your oral health remains good, which reduces the risk of infection.

Cooking Tips: If there is too much chilli in the food, then adopt these methods, the taste will improve

Indian food is very famous all over the world. People come from far off countries and eat the food here. This is also because the most spicy food is available in India. People here like to eat spicy and tasty food in their daily meals, but many times it happens that in the process of making more spicy food, people add more chilli by mistake. If more green chilli is added then its spiciness does not cause any problem, but if more red chilli is added in the food then it increases the problem. After adding more red chilli, people prefer to throw away that food. If you also often face this kind of problem, then we are going to tell you some ways to reduce this spiciness. You can reduce this spiciness by using some things. Add tomato paste to the vegetable - Many times, more red chilli is added to the vegetable by mistake. In such a situation, you can use tomatoes immediately. For this, you just have to heat a little oil in a pan and fry the tomato paste properly in it. When it is fried properly, add the vegetable to it. This will reduce the taste of chili. Desi Ghee- Desi ghee is found in every household. In such a situation, if there is too much red chili in your vegetable, then you can correct its taste by adding desi ghee. Desi ghee will reduce the spiciness of the chili. Cream- You will find cream in the fridge of every Indian household. In such a situation, if your vegetable has become too spicy, then add cream to it and cook it lightly. This will reduce the spiciness of the vegetable. Refined flour- You can remove its spiciness by adding three to four spoons of flour to the vegetable. Even if there is too much water in the vegetable, you can correct it by adding flour.

These days, these clothes made of organza fabric are in trend, which give a perfect look

If you want to look different and beautiful, then you should try organza fabric. It will add to your beauty.If you want to look different and beautiful, then you should try organza fabric. It will add to your beauty. Organza fabric has made a different identity in the fashion world today due to its versatile properties and beauty. Actually, organza fabric is very lightweight and comfortable fabric as well as very shiny and stylish. Outfits made from this fabric add to your beauty, which you can carry on any occasion. At the same time, clothes made from organza fabric give a bouncy look to thin women, wearing which they can look very stylish. Sarees - Plain and floral print sarees with zari border of organza fabric give you a unique and classy look. These are very lightweight and soft, which you can wear in any party or wedding ceremony with a matching stylish blouse made of plain, brocade, satin and silk fabric. You will easily find such sarees in the market according to your budget. Lehenga will also look good- You try different types of lehengas in wedding functions. In today's era, fashion trends change every moment. In such a situation, why don't you wear plain, floral and double shade lehengas of trendy designs of organza fabric. Every shade of organza fabric gives a very lovely and unique look. In such a situation, in this wedding season, you must try lehengas made of organza fabric. Dupatta is also special- Plain and floral print dupattas of organza fabric, on which light work is done, look very beautiful. You can wear it with kurti-pant made of silk, cotton and other fabrics. These dupattas can make any plain kurti-pant special and enhance your beauty. Skirts and tops too- Umbrella skirt made of organza fabric is also in fashion these days. It looks very beautiful and attractive. Floral print and double shade skirt in it is very attractive. It looks good on office girls and small girls. At the same time, tops made of this fabric are the first choice of women, which women are liking a lot these days. Both of these add life to your overall look, which makes you look stylish and impressive. Short and long dress - If you are going for a holiday, then do not forget to keep short and long dress of organza. These dresses are very much in trend these days. This is the perfect dress for every party and event. Its pattern, design and color are so beautiful that your whole look changes. Fabric that requires special care- Famous fashion designer Jaikirti Singh says that organza fabric is very rich. You can get Indian and Indo-Western dresses made from it. If you are planning to wear an organza dress in a wedding or party, then carry it in such a way that it gives you a rich and baby doll-like look. Apart from this, dresses with straight and long floral, double shade and light embroidery in organza look more beautiful. At the same time, this fabric is very delicate and requires special care. Wash it by hand, steam iron it and keep it packed separately in your wardrobe. During the rainy season, take it out and expose it to sunlight from time to time, because it can get damaged due to moisture and dampness.

'Game Changer' will take Ram Charan's career to the next level, Shankar does not accept bad things: Sai Madhav

The film 'Game Changer' which was being made for three years has finally reached its final stage. The director of this film, Shankar, was working on two films simultaneously and the audience was tired of waiting for the film. Meanwhile, when Shankar's 'Indian 2' was released,

people started counting its shortcomings on social media. As a result, questions started arising even before the release of 'Game Changer'. How the film will perform will be known only after its release. For now, its dialogue writer has said some big things. The dialogues of 'Game Changer' have been written by well-known writer Sai Madhav Burra, from whom the audience always expects great dialogues. According to media reports, Sai said in a recent interview that this film has all the elements that are expected from director Shankar. He said that he used to talk to Shankar regarding the film, although he (Sai) did not go to the set regularly. Sai Madhav also spoke about raising the expectations of the audience regarding Ram Charan. He said that 'Game Changer' will take the actor's film career to the next level. Sai said that director Shankar does not accept bad things. He has taken care of the quality in this film and has not compromised on it. 'Game Changer' is a political action thriller film. It stars Ram Charan and Kiara Advani in the lead roles. It is being said that Ram Charan will be seen playing two characters in it. Other actors in the film also include SJ Surya, Jayaram, Anjali, Sunil, Samuthirakani, Nassar and Srikanth. The story of the film has been written by Karthik Subbaraj. It has been produced under the banner of Sri Venkateswara Creations. The special thing is that 'Game Changer' is the 50th film of producer Dil Raju. S Thaman's music will be heard in it. The film's editing is done by Shameer Muhammed and cinematography is handled by Tirru.

Bhumi Pednekar showed her strength in her first film, won 11 awards

It is not easy to prepare your ground to establish yourself in Bollywood. This path is full of struggle, on which only those who have strong acting skills can walk. Bollywood actress

Bhumi Pednekar, who is celebrating her 35th birthday today, has prepared her ground in the industry. She was born on July 18, 1989. Bhumi, who started her acting career in the year 2015 with the romantic comedy film 'Dum Laga Ke Haisha', has a fan following in lakhs today. Today Bhumi is known as an actress, but before this she used to work as an assistant casting director for Yash Raj Films. She did this job for six years. When she got a chance to show her acting skills with 'Dum Laga Ke Haisha', she used it very well. In this film, she played the role of an overweight married woman. She got the Filmfare Award for her first film itself. Ayushmann Khurrana also played the lead role in this film. Bhumi Pednekar belongs to a political family. Her father Satish Pednekar was the Home and Labor Minister in the Maharashtra Government from 1980-85. Satish was a leader of the Congress Party. He died in 2011. According to the report, Bhumi gained 12 kg weight for her first film and lost more than 30 kg after finishing the film. Bhumi was liked by the audience only after playing the character of Sandhya in her first film. According to media reports, she had watched her first film 45 times. After Dum Laga Ke Haisha, Bhumi worked in many films including Toilet Ek Prem Katha, Shubh Mangal Savdhan, Bala, Pati Patni Aur Woh, Saand Ki Aankh and Badhaai Do. She received the Filmfare Critics Award for Best Actress for Badhaai Do. Bhumi has done most of the films in her career so far with Ayushmann Khurrana, Rajkumar Rao and Akshay Kumar. She received 11 awards for 'Dum Laga Ke Haisha'. She was nominated for the Filmfare Award for Best Actress for 'Thank You for Coming'. She also won the Best Supporting Actress Award for Bala.

From Tamil and Hindi films to Hollywood, this is how Priyanka Chopra's film journey has been

Priyanka Chopra Jonas is celebrating her 42nd birthday today. Now she needs no introduction. Her journey which started with Hindi films has reached Hollywood today. During this time, the audience has seen her versatility. She is an actress, film producer, model and singer. She has also demonstrated her versatile acting ability in films. The actress has also received many awards, including two National Awards and five Filmfare Awards. The Government of India honored her with Padma Shri in the year 2016. The actress' film career has been very brilliant. During this time, she has played many great characters on screen. Priyanka's film journey started with the Tamil film 'Thamizhan'. In this film released in the year 2002, she was seen with South superstar Vijay Dalapathi. She entered Bollywood with the film 'The Hero: Love Story of a Spy' released in the year 2003. In this film, she was seen with famous actor Sunny Deol. After this, she appeared in 'Andaaz' and 'Mujhse Shaadi Karogi' in the year 2003 and 2004 respectively. However, she got the biggest benefit from the film 'Aitraaz' released in the year 2004. She got a lot of recognition from this film. After Aitraaz, Priyanka's career got a boost. She worked in the films 'Krrish' and 'Don' released in the year 2006. In 'Krrish', she appeared with Hrithik Roshan. At the same time, in 'Don', she was seen sharing the screen with superstar Shahrukh Khan. After this, she came into the limelight by playing the role of a model in the film 'Fashion'. She also received the National Award for Best Actress for this film. This film gave a new direction to her career. After this film, she got many more excellent films. After this, she never looked back. After 'Fashion', she remained in the headlines through her films. She worked in 'Kaminey' released in 2009, 'Saat Khoon Maaf' in 2011, 'Barfi' in 2012, 'Mary Kom' in 2014 and 'Dil Dhadakne Do' in 2015. During this time, she also started

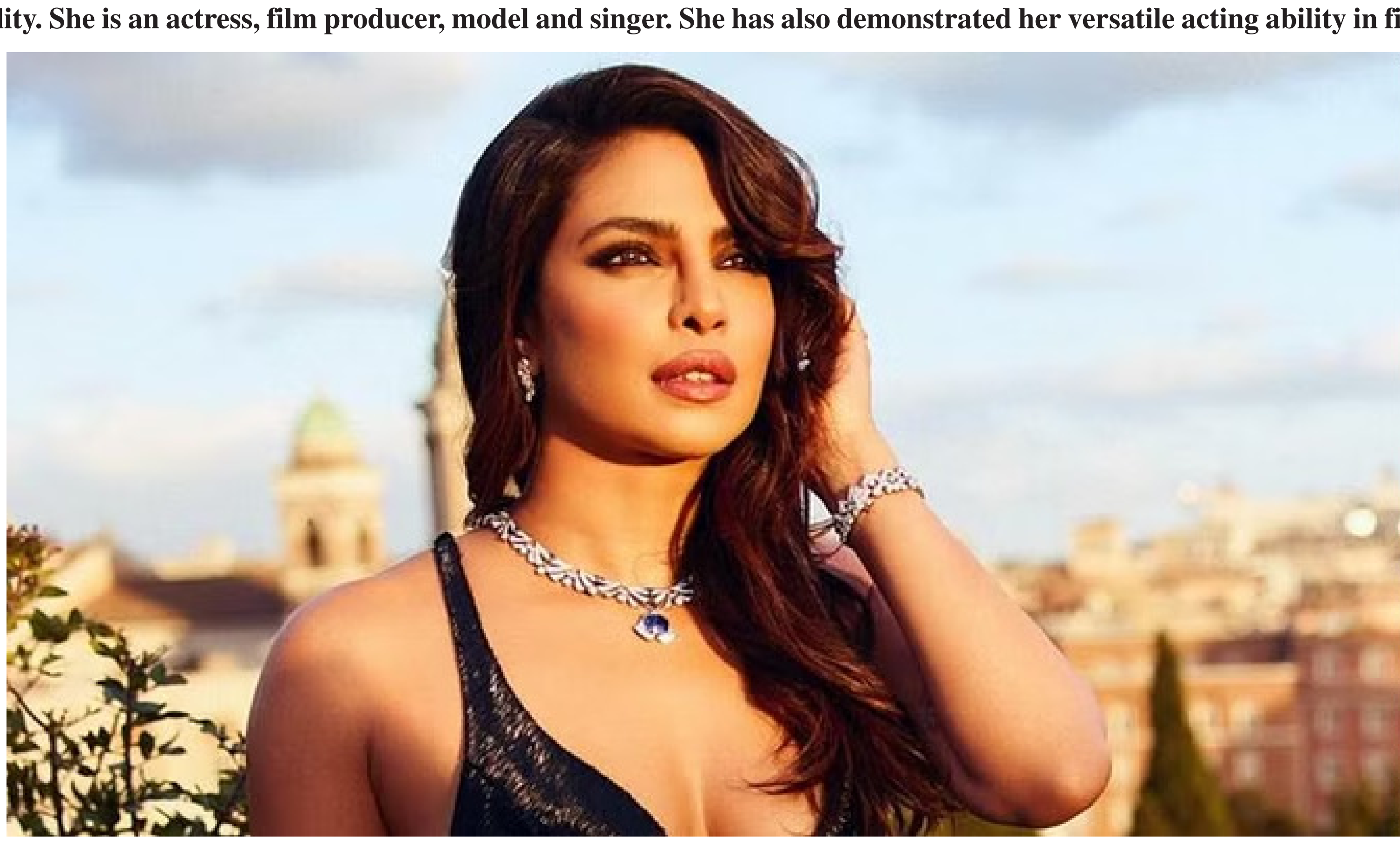

making her presence felt in Hollywood. Priyanka received a lot of praise for her performance in Mary Kom. She proved her acting prowess with this film. Between 2015 and 2018, she appeared in the American thriller 'Quantico'. She became the first South Asian artist to work in an American drama series. In 2015, she established her film production company named Purple Pebble Pictures. She produced many films under its banner. These include Marathi films 'Ventilator', 'Paani', 'The Sky Is Pink'. Meanwhile, she also appeared in Hollywood films, 'Baywatch', 'Isn't It Romantic', 'The White Tiger' and 'The Matrix Resurrection'. She was seen in an action avatar in the series 'Citadel' released last year in 2023.